संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 124
पृष्ठ 8
मंगलवार
21 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में स्किन का ....

विचार- किन्नर अखाड़ाः जिज्ञासा....

खेल- ऋषभ पंत होंगे लखनऊ....

**समीक्षा बैठक : सीएम योगी का निर्देश-**

## प्रोजेक्ट्स में नोडल अधिकारी हों नियुक्त

- 7 दिन में जांची जाए प्रगति रिपोर्ट
- माफिया के खिलाफ जारी रहे सख्त कार्रवाई, बढ़ाएं पैट्रोलिंग

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स (विकास परियोजनाओं) में मैनपावर बढ़ाकर काम में तेजी लाई जाए। किसी भी परियोजना की गति सुस्त नहीं होनी चाहिए। हर परियोजना समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके साथ यह भी जरूरी है कि हर प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल अधिकारी तय करते हुए उनसे साप्ताहिक प्रगति की ली जाए। हर प्रोजेक्ट की जिलाधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी पंद्रह दिन पर समीक्षा करें, साथ ही परियोजनाओं की प्रगति को लेकर एक निश्चित अवधि पर जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की जाए। सीएम योगी सोमवार को गोरखपुर के एनेक्सी भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जीडीए, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल निगम, गीडा समेत विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा निर्माण कार्य को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए एक नोडल अधिकारी को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंपी जाए। नोडल अधिकारी हर सप्ताह की प्रगति की जानकारी जिलाधिकारीको उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं की मॉनिटरिंग करने के लिए जनप्रतिनिधियों की भागीदारी भी होनी चाहिए। अधिकारी समय समय पर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराएं, उनसे मिलने वाले सुझावों पर भी ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारी नियमित और संवेदनशील ढंग से सुनवाई करें। आईजीआरएस और सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों का तत्परता से निस्तारण करने के साथ शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लें। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत कुछ वर्षों से गोरखपुर उद्यमियों के लिए पसंदीदा स्थल बनकर उभरा है। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे उद्यमियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का समाधान करें। गीडा में उद्यमियों की समस्याओं को दूर करने और शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए ऑनलाइन मशीनरी को मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैंकर्स मीट को व्यावहारिक बनाने की हिदायत देते हुए कहा कि जनपद के सीडी रेशियो को 58 प्रतिशत से 75 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति बरकरार रहनी चाहिए। माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का क्रम थमना नहीं चाहिए। सीएम ने गो तस्करों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की भी हिदायत दी। उन्होंने पुलिस पैट्रोलिंग और फुट पैट्रोलिंग बढ़ाने और पीआरवी का रिस्पांस टाइम और उत्कृष्ट करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने ट्रैफिक प्रबंधन को और सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सड़कों पर गाड़ियां न खड़ी रहें। सभी वाहन तय पार्किंग स्थल पर ही खड़े हों। टेम्पो को भी उनके लिए निर्धारित स्टैंड पर ही खड़ा कराया जाए।

## दुष्कर्म और हत्या आरोपी संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सियालदह की एक सत्र अदालत ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के अभियुक्त संजय रॉय को सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) दायर अभियोग पत्र पर प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयान और बचाव पक्ष की दलीलों को सुनने के बाद अभियुक्त रॉय को दोषी करार दिया था। सीबीआई ने आज अदालत से इस जघन्य अपराध के लिए अदालत से आरोपी को फांसी की सजा सुनाये जाने की दलील दी थी। अदालत ने आज अपराह्न करीब पौने तीन बजे इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को उम्रकैद और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनायी। सीबीआई ने बिरले से बिरला मामला बताते हुए दोषी को मौत की सजा दिये जाने की अपील की थी, लेकिन अदालत ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है। अदालत ने राज्य सरकार को पीड़िता चिकित्सक के परिवार को क्षतिपूर्ति के रूप में 17 लाख दिये जाने का आदेश भी दिया। पीड़िता प्रशिक्षु स्नातकोत्तर की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और अस्पताल में प्रशिक्षु रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में कार्यरत थी। पिछले साल नौ अगस्त को रात्रि ड्यूटी में नागरिकों की सहायता के रूप में स्वयं सेवी के रूप में कार्यरत संजय रॉय ने एक कक्ष में अकेले पाकर पीड़िता चिकित्सक के साथ दुष्कर्म किया और जघन्य तरीके से उसकी हत्या कर दी थी। इसके विरोध में कोलकाता से देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले की जांच कोलकाता पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंप दी थी।

## केजरीवाल ने डाक्यूमेंट्री 'अनब्रेकेबल' देखने की अपील की

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनसे जुड़ी डॉक्यूमेंट्री 'अनब्रेकेबल' को देखने की अपील करते हुए कहा कि यह उनके पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है। श्री केजरीवाल ने एक्स पर कहा "ये फ़िल्म मेरे लिए बेहद भावुक है। ये हमारे पिछले दो साल के संघर्ष की कहानी है। देश में किसी और पार्टी ने ऐसी साज़िशों और पूरी व्यवस्था के हमलों का सामना नहीं किया होगा। लेकिन मुश्किल वक्त ही दिखाता है कि हम असल में कौन हैं। उन्होंने कहा कि 'आप इज अनब्रेकेबल'।" उन्होंने कहा, "धन्यवाद ध्रुव, जब पूरी व्यवस्था इसे रोकने की कोशिश कर रहा था तब आपने इस डॉक्यूमेंट्री को दुनिया के सामने लाने की हिम्मत दिखाई। ये फिल्म पहली बार हमारा पक्ष बताती है। इसे ज़रूर देखें और सबके साथ साझा भी करें।" दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा "एक ऐसे संघर्ष की कहानी, जहाँ आम लोगों की एक छोटी सी पार्टी ने दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी और तानाशाही सत्ता के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया। यह उस अडिग संघर्ष की दास्तान है, जिसने न केवल तानाशाही सत्ता की चूलें हिला दीं, बल्कि देश की राजनीति की दिशा को भी बदल दिया। अब 'अनब्रेकेबल'जनता के बीच है। इसपर प्रतिबंध लगने से पहले जरूर देखिए कि कैसे 'आप' ने झूठ और षड्यंत्र के सामने कभी हार नहीं मानी।" आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने शायराना अंदाज़ में कहा, "हर एक बात पे कहते हो तुम कि तू क्या है? मिर्ज़ा ग़ालिब साहेब की लाइन मोदी जी पर फिट बैठती है। हम तो आपसे सिर्फ़ इतना कहना चाहते हैं मोदी जी की हम टूटेंगे नही। यह डॉक्यूमेंट्री आप भी देखिए और अपने कार्यकर्ताओं को भी दिखाइये।" उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी ने कल अरविंद केजरीवाल से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री की स्क्रिनिंग का कार्यक्रम रखा था। बाद में पार्टी ने दावा किया दिल्ली पुलिस ने डॉक्यूमेंट्री चलाने पर रोक लगा दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा भारतीय जनता पार्टी के कहने पर किया गया है।

## पांच पुलिस अफसरों पर चलेगा केस, बदलापुर यौन शोषण के आरोपी के एनकाउंटर पर बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई, एजेंसी। बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपियों की कथित मुठभेड़ के संबंध में सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष पेश की गई एक मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट में पाया गया कि आरोपियों की मौत के लिए पांच पुलिसकर्मी जिम्मेदार थे। रिपोर्ट एक सीलबंद कवर में प्रस्तुत की गई थी और न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ द्वारा खुली अदालत में आंशिक रूप से पढ़ी गई थी। अदालत ने कहा कि सरकार रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज करने के लिए बाध्य है और जानना चाहा कि कौन सी जांच एजेंसी मामले की जांच करेगी। अदालत ने मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देते हुए कहा, पुलिस कर्मी स्थिति को आसानी से संभाल सकते थे और बल का प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, बंदूक पर मृतक की उंगलियों के निशान नहीं हैं और रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस का यह कहना कि उन्होंने निजी बचाव में गोली चलाई, अनुचित है और संदेह के घेरे में है। इस मामले में अक्षय शिंदे शामिल है, जिस पर बदलापुर में एक स्कूल के शौचालय में दो नाबालिगों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। पुलिस ने जिस तरह से मामले को संभाला, उसे लेकर बदलापुर में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था। स्कूल में कार्यरत सफाई कर्मचारी शिंदे को 17 अगस्त को स्कूल के शौचालय में तीन और चार साल की दो लड़कियों का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

## राहुल को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत में चल रही 'मानहानि' कार्यवाही पर लगाई रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को कथित तौर पर 'हत्या का आरोपी' कहने के एक पुराने मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ झारखंड की एक निचली अदालत में चल रही मानहानि मुकदमे की कार्यवाही पर सोमवार को अगले आदेश तक रोक लगा दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री गांधी की याचिका पर उन्हें यह राहत दी और झारखंड सरकार के साथ शिकायतकर्ता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता नवीन झा को नोटिस जारी किया। पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा, "नोटिस जारी करें...अगले आदेश तक ट्रायल कोर्ट के समक्ष सभी कार्यवाहियों पर रोक रहेगी।" झारखंड उच्च न्यायालय ने श्री गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 के तहत शुरू की गई कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने रांची की एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें मुकदमे के लिए व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील दी कि इस मामले से शिकायतकर्ता का कोई लेना–देना नहीं है, क्योंकि पीड़ित व्यक्ति (श्री शाह) ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने शीर्ष अदालत के पिछले फैसले का हवाला दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया था कि केवल पीड़ित व्यक्ति ही मानहानि की शिकायत दर्ज करा सकता है। यह याचिका भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा द्वारा दायर की गई गई थी, जिसमें 18 मार्च, 2018 को राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने समेत (भाजपा) पार्टी नेताओं को 'झूठा' और 'सत्ता के नशे में चूर' कहने पर उनके (राहुल के) खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

## संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति संवाद पर पनपती है और संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है। श्री धनखड़ यहां भारतीय विद्या भवन के परिसर में नंदलाल नुआल भारत अध्ययन केंद्र के भवन की आधारशिला रखने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए कि लोकतांत्रिक राजनीति संवाद पर पनपती है। अभिव्यक्ति और संवाद लोकतंत्र के लिए मौलिक हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें अभिव्यक्ति का अधिकार नहीं है तो हम लोकतंत्र में रहने का दावा नहीं कर सकते और संवाद के बिना अभिव्यक्ति अधूरी है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संवाद का अभाव सर्वनाश कर सकता है। संवाद का अभाव लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए मृत्यु की घंटी हो सकता है। अलग–अलग दृष्टिकोणों पर विचार करना लोकतंत्र का अमृत है। लोकतंत्र भय या उपहास से मुक्त समावेशी संवाद के माध्यम से पनपता है। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि संवाद मुद्दों को हल करने का केंद्र था। हमारे शास्त्र और इतिहास इस बात पर ज़ोर देते हैं कि संवाद संघर्षों को हल करता है और समाज को बनाए रखता है।

## सचिन पायलट का दावा, दिल्ली चुनाव में बेहतर विकल्प के रूप में उभरी है कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव से पहले, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि राजधानी के लोग ए के नेतृत्व वाली शहर सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बीच वर्चस्व की लड़ाई में पीड़ित हैं, और उनकी पार्टी ष्बेहतर विकल्पष के रूप में उभरी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि दिल्ली की जनता इस बार कांग्रेस को वोट देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच वर्चस्व की लड़ाई है और इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बेहतर विकल्प बनकर उभरी है और लोग दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसे जनादेश देंगे। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली के लोगों को कुछ गारंटी दी है। उन्हें शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के तहत हुआ विकास भी याद है। हम मजबूती से लड़ेंगे और कांग्रेस दिल्ली चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी। दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस की पांच गारंटियों में 500 पर एलपीजी सिलेंडर प्रदान करना, मुफ्त राशन किट और 300 यूनिट तक बिजली, 'प्यारी दीदी योजना' के तहत महिलाओं के लिए 2,500 रुपये का मासिक अनुदान, 'जीवन रक्षा योजना' के तहत 25 रुपये लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर और शिक्षित बेरोजगार युवाओं को एक वर्ष के लिए 8,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता शामिल है। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक पर पायलट ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में एनडीए के खिलाफ लड़ने के लिए सभी दलों को एक साथ लाए और परिणाम अच्छा रहा। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए 5 फरवरी को मतदान होगा और नतीजे 8 फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

# साढ़े चार लाख रुपये जले, 50 हजार के जले नोट लेकर घूमे, बचने-बचाने के लिए चिल्लाते रहे

प्रयागराज। सेक्टर 19 स्थित श्रीकरपात्र धाम के शिविर में कल्पवास कर रहे बनारस के ज्ञान प्रकाश शुक्ला का करीब चार लाख रुपये जलकर राख हो गए। आग को बुझाने के चक्कर उनकी दोनों हथेली और पत्नी गीता शुक्ला भी आग से झुलस गई हैं। कल्पवासी सुनीता चिल्लाते हुए कह रही थी कि मेरा टेंट जल रहा है, कोई मेरे पति को रोको वह आग बुझाने जा रहे है। कहीं आग में वह भी न जल जाएं। कल्पवासी ज्ञान प्रकाश बताते हैं कि रविवार शाम करीब चार बजे का समय था। वह अपने शिविर में पत्नी के साथ मौजूद थे। तभी उन्हें आग लगी– आग लगी की आवाज सुनाई देने लगा। बाहर निकल कर देखे तो उनके सामने वाले कुटिया से धुआं निकल रहा था। आनन–फानन में वह वहां रखे बालू और पानी से आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन थोड़ी ही देर में देखते देखते आग बिक्राल रूप धारण कर लिया और आग उनके शिविर को भी अपनी आघोष में ले लिया। आग बुझाते समय उनकी पत्नी गीता और दोनों लोगों के हाथ झुलस गए। वहीं आग बुझने के बाद ज्ञान प्रकाश अपने शिविर में रखे बक्सा को देखने के लिए पहुंचे तो वहां पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। बक्से से जली हुई 100–100 और 500–500 की नोटों गड्डी निकली। उन्होंने बताया कि वह 10 जनवरी से ही महाराज जी के शिविर में कल्वास करने के लिए आ गए थे। करीब चार लाख रुपये शिविर में रखे हुए, जिसमें से करीब 50 ,000 जले हुए नोट मिले हैं। साथ ही शिविर में रखे गृहस्थी के सारा सामान जलकर राख हो गया। हमारा टेंट जल रहा है, हमारे पति बुझाने जा रहे हैं...उन्हें रोक लीजिए। इतना कहकर सुनीता जमीन पर बैठकर रोने लगी। लोगों ने ढांढस बंधाया तो वह शांत हुई। सुनीता ने बताया कि वह परिवार के 15 लोगों के साथ संगम स्नान के लिए आई थी। दोपहर में हम सभी लोग अपने शिविर से निकलकर संगम स्नान के लिए गए थे। जब हम लोग लौटे तो देखा कि हमारा टेंट जल रहा है। सुनीता देवी ने बताया कि यह गंगा मइया की कृपा है कि हम लोग आग लगने के समय स्नान करने गए थे। सुनीता जब अपने परिजनों के साथ पहुंची तो उसके सामने आग का भयावह मंजर था। चारों तरफ आग की लपटें और धुआं ही नजर आ रहा था। उसके पति ने जब देखा कि उसका शिविर जल रहा है तो वह दौड़कर उस ओर जाने लगा। इसके बाद सुनीता चिल्लाने लगी कि मेरे पति को रोक लीजिए, वह आग बुझाने जा रहे हैं। इसके बाद लोगों ने उसको शांत कराया। इटावा निवासी प्रकाश नारायण बताते हैं कि जिस समय आग लगी वह सड़क पर थे। वहां से धुआं देखा तो सोर मचाया। लोग अपने–अपने शिविर से जो सामान हाथ लगा लेकर भागने लगे। कोई हाथ में थैला तो कोई सिर पर बोरी लिए सड़क की ओर भागने लगा। उसी समय किसी ने फायर ब्रिगेड को फोन कर घटना की जानकारी दी। थोड़ी ही देर में एक एक करके सायरन बजाते हुए दर्जन भर दमकल की गाड़ी पहुंच आई और आग बुझाने लगी। घटना स्थल पर मौजूद रामसिंह बताते हैं कि जिस समय आग लगी वह भी शिविर के पास ही थे। कुटिया से धुआं उठते देख वह उसके पास गए लेकिन कुटिया में कोई दिखा नहीं, उसके बाद वह शोर शराबा करते हुए बाहर लगे नल से पानी फेंकने लगे, लेकिन तब तक आग धधक पड़। घटना के समय उस शिविर में करीब 200 से 300 लोग मौजूद थे। आग देखते ही चारों तरफ चीख पुकार और भगदड़ मच गई। आग लगने पर सड़क की ओर सामान लेकर भाग रही बिहार की सावित्री देवी सड़क पर हांफती हुई मिली और अपने लोगों को चारों तरफ देख रही थीं। उन्होंने बताया कि उनके साथ बहुत सारे लोग थे, लेकिन कोई दिख नहीं रहा है। यह कहते हुए वह फिर से अपना सामान लेकर भागने लगीं।

## डेरा सच्चा सौदा के साध-संगत प्रेमियों ने किया कम्बल वितरण एवं स्कूल में बच्चों को कॉपी,पेंसिल एवं चॉकलेट

मथुरा। डेरा सच्चा सौदा के साध–संगत प्रेमियों ने किया कम्बल वितरण एवं स्कूल में बच्चों को कॉपी,पेंसिल एवं चॉकलेट बांटकर मानव भलाई का कार्य किया । जमुना पार लक्ष्मी नगर

में उच्च प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को कॉपी पेंसिल एवं चॉकलेट बांटकर मानव भलाई का कार्य किया। इस मौके पर महेश गोला इंसा, जयपाल सिंह इंसा, बृजवासी इंसा, सतीश इंसा,डॉ.बनवारी सिंह इंसा,राजू इंसा, राकेश इंसा,प्रेमलता इंसा,भगवान देवी इंसा,कमला इंसा,कल्पना सिंह प्रधानाध्यापक एवं अन्य ब्लॉक के साध संगत मौजूद रहे।

## प्रयागराज की कवियत्री को साहित्य गौरव उपाधि मिलने पर जताया खुशी

नैनी, प्रयागराज। प्रयागराज की कवियत्री वन्दना शुक्ला को साहित्य गौरव की उपाधि से विभूषित किये जाने पर कवियों व साहित्यकारों ने हर्ष व्यक्त किया है। राज्य कर्मचारी साहित्य

संस्थान उत्तर प्रदेश द्वारा रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव जितेन्द्र कुमार, डॉ अखिलेश मिश्रा, डॉ सीमा गुप्ता सहित संस्थान के अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे। डॉ वन्दना शुक्ला को साहित्य गौरव सम्मान मिलने पर कवि साहित्यकार जगदम्बा प्रसाद शुक्ल ने इसे प्रयागराज की प्रमुख उपलब्धि बताया। वंदना शुक्ला ने भारत के विभिन्न प्रदेशों में आयोजित कवि सम्मेलनों में प्रयागराज का नाम रौशन किया है। डॉ शंभु नाथ त्रिपाठी अंशुल, रामनाथ त्रिपाठी, उमेश श्रीवास्तव, गजेंद्र प्रताप सिंह, अवध नारायण अनगढ़, रामलखन शुक्ल, राधा शुक्ला, प्रीति शुक्ला आदि कवि साहित्यकारों ने हर्ष प्रकट करते हुए उन्हें बधाई दी है।

## संत सम्मेलन में उठेगा स्थायी रूप से वक्फ बोर्ड को बंद करने का मामला

प्रयागराज। पिछले कई कुंभ और महाकुंभ में विश्व हिंदू परिषद के शिविर में हुए संत सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में शामिल था कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बने। वर्ष 2019 में हुए कुंभ में भी राम मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया था। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। अब महाकुंभ 2025 शुरू हो चुका है। विहिप शिविर में इस बार भी संत सम्मेलन होगा। हालांकि इस बार विहिप शिविर से जिन मुद्दों पर संत चर्चा कर आपसी सहमति बनाएंगे उसमें वक्फ बोर्ड को स्थायी रूप से बंद करने का मामला सबसे ऊपर है। संत सम्मेलन के पूर्व विहिप केंद्रीय मार्ग दर्शक कमेटी की बैठक में भी वक्फ बोर्ड मामले में चर्चा होगी। विहिप के कुंभ और महाकुंभ में हर बार सनातनी हितों से जुड़े तमाम मुद्दों पर चर्चा होती है। विहिप के केंद्रीय मार्ग दर्शक कमेटी की बैठक में ही संत सम्मेलन के एजेंडे तय होते है। फिर संत सम्मेलन में उन विषयों पर चर्चा कर आपसी सहमति बनाई जाती है। बैठक के माध्यम से ही सनातनी हित में किए जाने वाले कार्यों के संकल्प लिए जाते हैं। इस बार भी जिन मुद्दों पर चर्चा होनी है उसमें धर्मांतरण, मंदिरों पर कब्जे और ज्ञानवापी–मथुरा जैसे कई राष्ट्रीय मुद्दे उठेंगे। वक्फ बोर्ड के विरोध में भी पिछले कुछ समय से संतों–महंतों ने हुंकार भरनी शुरू कर दी है। यह विषय गर्माने लगा है। अयोध्या में राम मंदिर बन चुका है तो अब विहिप की वक्फ बोर्ड को स्थायी रूप से बंद करने की लगातार वकालत कर रहा है।

# हम श्रीराम को मानते हैं, लेकिन राम की नहीं मानते, राम की बात मानने से झिझकते हैं

प्रयागराज। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि मैंने देखा है कि हम श्रीराम को मानते हैं, उनके चरित्र को मानते हैं, उनके चरित्र को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करते हैं, उनकी शिक्षाओं को जानने का प्रयास करते हैं, लेकिन राम की नहीं मानते हैं। मानने में हम सभी लोग पहले हैं, परंतु जहां राम की बात मानने की बात आती है, वहां हम थोड़े से झिझकने लगते हैं। यह एक चुनौती है और इसे कैसे हम अपने जीवन में लाएं, इसके लिए हमें धीरे–धीरे चलते रहना होगा चरैवेति चरैवेति ताकि प्रभु श्रीराम का चरित्र हम सब के जीवन में आए। वह सोमवार को अरैल स्थित परमार्थ निकेतन शिविर में चल रही मोरारी बापू की कथा में पहुंचे थे। स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती ने पूर्व राष्ट्रपति और परिवार का इलायची की माला पहनाकर स्वागत किया। रामनाथ कोविंद ने महाकुंभ व मानस संगम में संत और श्रद्धालुओं का अभिवादन करते हुए कहा कि आप सब मेरा परिवार हैं। मेरे मन में एक ही बात है कि बापू की श्रीराम कथा शृंखला की 950वीं कथा है, यह एक सुखद संयोग है और हम एक हजार श्रीराम कथाओं तक पहुंचने की ओर बढ़ रहे हैं। कथावाचक मोरारी बापू ने पूर्व राष्ट्रपति के साथ अपनी पुरानी स्मृतियों का स्मरण करते हुए कहा कि आपके सानिध्य में बिताए दृश्य अद्भुत और अलौकिक हैं। आज भी मुझे याद है, जब आप गुरुकुल आए थे, सभी व्यवस्थाएं एक ओर थीं, पर आपकी आस्था एक ओर थी। आपने हमारे पूरे गांव को कहा था कि यदि कभी दिल्ली आओ तो कहीं और मत रुकना, राष्ट्रपति भवन में रुकना। इस प्रकार आपने राष्ट्रपति भवन को राष्ट्र भवन के रूप में सभी को दर्शन कराए। उन्होंने कहा कि यह बात और है कि वह खामोश खड़े होते हैं, लेकिन जो बड़े होते हैं, वह बड़े ही होते हैं। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि मोरारी बापू सनातन की परम ज्योति हैं, उन्होंने जिसे छू लिया, उसे अपना बना लिया। बापू का जीवन सदैव सेतु निर्माण करता रहा और इसके लिए उन्होंने अनेक संघर्ष झेले, वे अपनी हर श्वास को पूरे विश्वास के साथ जी रहे हैं। कहा कि समुद्र मंथन संग्राम से शुरू हुआ और संगम तक पहुंचा, अमृत तक पहुंचा। बापू का जीवन संग्राम नहीं, संग–राम को चरितार्थ करता है। इस बार का कुंभ ग्लोबल कुंभ बन गया है। वास्तव में इस बार का कुंभ अद्भुत है। सत्ता से नहीं सत्य से परिवर्तन होता है। यह सृजन से संगम की यात्रा है। अब समय आ गया है कि हमारे दिल और हमारे घर के आगे मोहब्बत लिखा हो। अब समय आ गया है कि हम न बटेंगे, न बाटेंगे, न डरेंगे, न डराएंगे, न कटेंगे, न कटेंगे, न लड़ेंगे, न लड़ाएंगे। यही संगम के तट से संगम का संदेश है, जो हमारे देश के संगम को बचा के रखेगा।

# अमावस्या के पहले रेल यात्रियों को झटका, प्रयागराज नहीं आएगी हमसफर समेत चार जोड़ी ट्रेन

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या को लेकर रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज से चलने वाली चार महत्वूर्ण ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया है। 28 जनवरी से चार फरवरी तक दिल्ली हमसफर का संचालन जहां प्रयागराज की जगह सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से होगा तो वहीं प्रयागराज–डा. अंबेडकरनगर, प्रयागराज–भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस और गोरखपुर–प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन प्रयागराज जंक्शन तक नहीं होगा। हमसफर एक्सप्रेस छोड़ बाकी अन्य तीन जोड़ी ट्रेनों में जिनका रिजर्वेशन प्रयागराज से उन्हें अब अपना टिकट निरस्त करवाना होगा। दरअसल मौनी अमावस्या के मौके पर ट्रेनों में भारी संख्या में भीड़ जुटने का अनुमान है। इस दौरान ज्यादा से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन से शुरू होने वाली चार प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को दूसरे स्टेशनों पर शिफ्ट कर दिया है। फिलहाल 12275ध्122437 प्रयागराज–नई दिल्लीध्आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस 28 जनवरी से चार फरवरी तक प्रयागराज जंक्शन की जगह सूबेदारगंज से चलेगी। इसी तरह 12276/22438 नई दिल्लीध्आनंद विहार–प्रयागराज 28 जनवरी से चार फरवरी तक सूबेदारगंज स्टेशन तक ही आएगी। 14117 प्रयागराज– भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस 28 जनवरी से चार फरवरी एवं 14118 भिवानी–प्रयागराज कालिंदी एक्सप्रेस भी उक्त अवधि में प्रयागराज से कानपुर के बीच दोनों ओर से निरस्त रहेगी। प्रयागराज से उज्जैन, इंदौर होकर जाने वाली 14115 डा. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस 28, 29 जनवरी एवं 02, 03 फरवरी को प्रयागराज से खजुराहो के बीच निरस्त रहेगी। इसी तरह 14116 डा. अंबेडकरनगर–प्रयागराज एक्सप्रेस 29, 30 जनवरी एवं 03, 04 फरवरी को खजुराहो से प्रयागराज के बीच नहीं चलेगी। गाड़ी संख्या 22549ध 22550 गोरखपुर–प्रयागराज वंदे भारत का संचालन 27 जनवरी से 04 फरवरी तक प्रयागराज से लखनऊ के बीच दोनों ओर से नहीं होगा।

# महाकुम्भ, दिव्य कुम्भ, सुरक्षित कुम्भ-

प्रयागराज स सी एम पी डिग्री कालेज प्रयागराज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश श्खरे, उप –प्राचार्या प्रोफेसर नीता सिन्हा, इलाहाबाद विवि के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्यवक प्रोफेसर राजेश कुमार गर्ग तथा कालेज के चीफ प्राक्टर प्रोफेसर रजत श्रीवास्तव , प्रोफेसर भावना चौहान तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार यादव तथा सी एम पी डिग्री कालेज प्रयागराज के छै इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ राम चिरंजीव पाल डॉ यशवन्त कुमार आदि लोगों के निर्देशन में महाकुम्भ दिव्यकुम्भ सुरक्षित कुम्भ की रैली का कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ ,सी एम पी डिग्री कालेज के छै के स्वयं सेवकों जिसका नामकरण ष्ट्वाइट कमाण्डोज ष से किया गया है, महाकुम्भ, दिव्यकुम्भ सुरक्षित कुम्भ की रैली का आयोजन के शुभ अवसर पर कालेज के प्राचार्य सर ने बच्चों को महाकुम्भ की बृहद जानकरी दी उन्होंने महाकुम्भ का 144वाँ वर्ष बताया और महाकुम्भ के समय का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया की सम्राट राजा हर्ष वर्धन के कार्यकाल में फाह्यान एक चीनी यात्री था जो कुम्भ के समय आकर गंगा की निवेणी संगम में डुबकी लगाया था और भारत की महिमा और संस्कृति का वर्णन अपने पुस्तको में किया । इसी प्रकार प्रोफेसर गर्ग सर ने बच्चों को महाकुम्भ में अपने योगदान के लिए तैयार रहने के लिए कहा और स्वयं सेवकों को सम्बोधित किया कि आप सभी लोग महाकुम्भ में अपनी अहम भूमिका निभाएँ जगह – जगह ग्रुप बनाकर स्नान पर्वों के दिन दूर दराज से आये श्रृद्धालुओं की मदद करें और मदद करने के प्रचलन को बताया और गर्ग जी ने स्वयं सेवकों को हमेशा आपदा के लिए तैयार रहने का निर्देश दिये और संकल्प भी दिलाये और अन्त में धन्यवाद ज्ञापन मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार यादव ने किया कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से किया गया और समापन राष्ट्रगान के द्वारा किया गया ।

## प्रदेश में सबसे ज्यादा मथुरा में मिले टीबी के मरीज

### –लक्ष्य के सापेक्ष मथुरा में हुआ 112 प्रतिशत रोगियों का चिन्हीकरण

### –मथुरा में टीबी रोगियों का चिन्हीकरण, प्रदेश में अव्वलः डा. संजीव यादव

मथुरा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि मथुरा ने विगत वर्ष में क्षय रोग नियंत्रण में बड़ी सफलता हासिल की है। निजी चिकित्सकों के सहयोग से मथुरा ने लक्ष्य से अधिक क्षय रोगियों का चिन्हीकरण किया और पूरे प्रदेश में 112 प्रतिशत क्षय रोगियों को खोज कर अव्वल रहा। जिला क्षय रोग अधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि मथुरा के स्वास्थ्य विभाग और निजी क्षेत्र के चिकित्सकों के बीच मजबूत सहयोग का परिणाम है। केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा क्षय रोग उन्मूलन के लिए तत्परता दिखाई जा रही है। अब उनके सहयोग के लिए विभिन्न संस्थाएं भी आगे आ रही है। उसी कड़ी में जनपद मथुरा की आईएमए शाखा और डॉक्टर्स फॉर यू संस्था ने निजी चिकित्सकों को क्षय रोग की जागरूकता और टीबी नोटिफिकेशन, मैनेजमेंट के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में एसएन मेडिकल कॉलेज के टीबी एंड चेस्ट विभाग के अध्यक्ष और स्टेट टीबी टास्क फोर्स के चेयरमैन डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने क्षय रोग के निदान और उपचार पर व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने निजी क्षेत्र के चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक चिकित्सक को यह प्रयास करना चाहिए कि हर चिन्हित नवीन क्षय रोगी का माइक्रोबायोलॉजिकल कन्फरमेशन अवश्य करें। इसके लिए सभी टीबी मरीज का नॉट परीक्षण अवश्य कराया जाना चाहिए। आईएमए अध्यक्ष डॉ. मनोज गुप्ता ने क्षय रोग नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण अपील की है। उन्होंने प्राइवेट चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे सभी दिशा निर्देशों का पालन करें और अधिक से अधिक क्षय रोगियों की पहचान कर उन्हें अधिसूचित करें। डॉ. गुप्ता ने आईएमए के पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया है। कार्यक्रम में डाक्टर फार यू के डॉ. अंषुल खन्ना, डॉ. शुभम ओझा, सरोज, आजम खान, लाखन, आईएमए सचिव डॉ. योगेश, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एके वर्मन, डॉ. मोहित गुप्ता, डॉ. अवधेश अग्रवाल, डॉ. मीना सूद, डॉ. एस.पी. सिंह, डॉ. बीबी गर्ग, डॉ. आशीष गोपाल, डॉ. वर्षा तिवारी, डॉ. एस.बी अग्रवाल, डॉ. संजीव जैन,जिला क्षय रोग केन्द्र, मथुरा से शिव कुमार, अखिलेश दीक्षित ने प्रतिभाग किया।

## कोर्ट में पेश न होने पर अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय 82 की कार्यवाही आदेश, नोटिस जारी

महावनसन्यायालय अपर सिविल कोर्ट मथुरा द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध धारा 82 की कार्यवाही के आदेश दिए हैं। अभियुक्त बाबू पंडित उर्फ दुर्गा प्रसाद पुत्र रघुनाथ निवासी जटवारी थाना शेरगढ़ के खिलाफ थाना बलदेव में धारा 379 मुकदमा दर्ज किया गया

था। अभियुक्त काफी दिनों से फरार चल रहा है। अभी तक कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ है। कस्बा चौकी प्रभारी कमल सिंह यादव ने बताया कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दुर्गा प्रसाद के घर पर नोटिस चस्पा कर दिया है अभियुक्त दुर्गा प्रसाद के खिलाफ लंबे समय से मुकदमा दर्ज है। जिसमें धारा 379 की धारा के साथ कार्यवाही की है। न्यायालय के आदेश पर गिरफ्तारी को कई बार दबिश दी गई है, वह हाथ नहीं लगा है। वारंट के बाद फरार चल रहे मुकदमे के आरोपी के घर व उसके संभावित ठिकानों पर कई बार पुलिस ने दबिश दी है ।अभियुक्त अपनी अचल संपत्ति को खुर्द बुर्द कर बेच रहा है । धारा 82 का नोटिस चस्पा होने के बाद अभियुक्त ने सरेंडर नहीं किया तो धारा 83 के तहत संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई होगी ।

## सप्त दिवसीय विशेष शिविर का हुआ शुभारंभ

मथुरा।राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज महावन,मथुरा का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ आज हुआ।शिविर का शुभारंभ विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती एवं युवा प्रेरक स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण

एवम दीपांजलि करके किया गया कार्यक्रम अधिकारी श्रीनिवास शर्मा ने समस्त स्वयं सेवकों को डायरी ,बैज एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रमाण पत्र प्रदान किए।उद्घाटन सत्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना कोई साधारण कैम्प नहीं अपितु छात्रों को सेवाधर्मी बनाते हुए समाज के प्रति जागरुक करना है।कार्यक्रम अधिकारी श्रीनिवास शर्मा ने स्वयंसेवकों को बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना से संबद्ध होकर किस प्रकार हम अपने राष्ट्र एवं समाज का सर्वांगीण विकास करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।सभी स्वयं सेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विद्यालय के मैदान की साफ सफाई की।क्रार्यक्रम सहायक संग्राम सिंह , एवं हिंदी अध्यापक डॉ राकेश कुमार राही ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य अत्यंत व्यापक एवं विस्तृत है तथा हम इसके माध्यम से स्वयं के चरित्र निर्माण के साथ ही अपने राष्ट्र का नवनिर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम की समाप्ति पर स्वयंसेवकों द्वारा तैयार भोजन सभी ने ग्रहण किया। इस अवसर पर संजय वर्मा, विनोद कुमार शुक्ला विश्वजय सिंह, करन बाबू,विजय शर्मा आदि शिक्षक–कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

# दीक्षोत्सवः मथुरा में स्थापित हुआ था देश का पहला पशु चिकित्सा महाविद्यालय

## –1947 में पशु चिकित्सा विज्ञान में शिक्षा एवं शोध के लिए की गई थी स्थापना
## –संस्था का मनाया गया 77 वां स्थापना दिवस

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान में पशु चिकित्सा महाविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। चार जनवरी से तीन फरवरी तक चलने वाले दीक्षोत्सव माह के अंतर्गत, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय का स्थापना दिवस विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर अनिल कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने बताया कि मथुरा पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना 16 जनवरी 1947 में पशु चिकित्सा विज्ञान में शिक्षा एवं शोध के लिए की गई थी। यह देश का पहला पशु चिकित्सा महाविद्यालय था, जिसने पशु चिकित्सा विज्ञान में डिग्री कार्यक्रम शुरू किया और पशु चिकित्सा स्नातक की डिग्री प्रदान की तथा वर्ष 1951 में भारत में पहली बार पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान के कई विषयों में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम प्रारंभ करने का गौरव भी इस महाविद्यालय को प्राप्त है। पशुओं के उत्तम रखरखाव, स्वास्थ्य तथा उत्तम उत्पादकता प्राप्त करने के लिए पशुधन का उन्नत किस्म तथा स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। जिसके लिए पशु चिकित्सा विशेषज्ञ का होना अत्यंत आवश्यक है। मथुरा पशु चिकित्सा महाविद्यालय पिछले 77 सालों से लगातार पशु चिकित्सा विशेषज्ञ तैयार कर प्रदेश तथा देश को समर्पित करता आ रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय,

झांसी के कुलपति, प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह नाम बताया कि मथुरा पशु चिकित्सा महाविद्यालय का स्वर्णिम इतिहास है । यहां के स्नातक तथा परास्नातको ने देश के विभिन्न संस्थानों में गरिमामय पदों को सुशोभित कर, इस महाविद्यालय का नाम ऊंचा किया है। उन्होंने बताया कि पशु पालकों को अच्छा उत्पादन एवं अच्छा आर्थिक लाभ हेतु प्रेरित करना पशु चिकित्सा विशेषज्ञो का महत्व पूर्ण दायित्व है। पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के स्थापना दिवस आयोजन के समन्वयक, अधिष्ठाता, प्रोफेसर, विकास पाठक ने आगंतुकों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए बताया कि यह महाविद्यालय स्थापना के समय से लगातार पशु चिकित्सा एवं पशुपालन स्नातकों को शिक्षण, शोध तथा प्रसार का उत्कृष्ट ज्ञान प्रदान करता आ रहा है । उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे पशु चिकित्सा विषय पर कविता लेखन, स्केच, कोलाज, पोस्टर बनाना, क्विज, निबंध लिखना, गुलदस्ता बनाना तथा रंगोली की प्रतियोगिता आयोजित की गई। विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर देश दीपक सिंह ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, प्रोफेसर विनोद कुमारय निदेशक प्रसार प्रोफेसर अतुल सक्सेनाय अधिष्ठाता, परास्नातक, प्रोफेसर अर्चना पाठकय कुलसचिव प्रोफेसर अरुण कुमार मदान, डॉ. नित्यानंद पांडे, अधिष्ठाता, मत्स्यिकी महाविद्यालययय प्रोफेसर रश्मि सिंह अधिष्ठाता, डेरी विज्ञान महाविद्यालय प्रोफेसर आरपी पांडे, अधिष्ठाता, जैव प्रौद्योगिकी महाविद्यालययय निर्देशक, डिप्लोमा, प्रोफेसर सरजीत यादवय प्रोफेसर दीपक शर्माय प्रोफेसर विजय पांडेय प्रोफेसर संजय पुरोहितय प्रोफेसर अतुल प्रकाशय प्रोफेसर बृजेश यादवय प्रोफेसर अमित सिंहय प्रोफेसर लक्ष्मी प्रसाद सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

## 'वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई का काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की मासिक काव्यगोष्ठी प्रयागराज की वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमा राय की अध्यक्षता में और

संजय सक्सेना के संयोजन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि रामलखन शुक्ल एवं विशिष्ट अतिथि कविता उपाध्याय रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। सरस्वती वंदना की शानदार प्रस्तुति रचना सक्सेना ने अपनी मधुर वाणी से की। कुशल संचालन राकेश मालवीय ने किया। इस अवसर पर प्रयागराज के वरिष्ठ कवियों एवं कवयित्रियों ने अपनी सुंदर – सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिए जिसमें डॉ वीरेंद्र तिवारी, इंदू प्रकाश मिश्र, प्रेमा राय, केशव सक्सेना, राकेश मालवीय, के पी गिरि, रामलखन शुक्ल, कविता उपाध्याय, गंगा प्रसाद, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना आदि ने शानदार काव्य पाठ किया। धन्यवाद प्रस्ताव संजय सक्सेना ने किया।

## माघ मेला

माघ नहाने की खातिर
दद्दा, दादी को लाते हैं।
गठरी – पुटकी सर पर लादे
सब इधरइ को आते हैं।
दद्दा, दादी कै हांथ पकड़ि
हौले–हौले चलत अहैं।
कुछ देखि के मुस्कात हैं
और कनवै मा कुछ कहत अहैं।
अखिंयन का नीचे कई
दादिऊ कुछ सरमाई दिहिन।
अइसन कइ धीरे से
उनका कुछ बतियाई दिहिन।
फिर बड़ी देर तक दुइनऊ जन
मंद–मंद मुस्काते हैं।
गठरी–पुटकी सर पर लादे
सब इधरइ को आते हैं।
का हो तू तौ कहत रहा
कि साधन–सवारी ना होई।
सबहीं जन पैदल चलिहीं
टम्पू–रिक्शा ना कोई।
इहां त देखिथा कि
सब रपटि–डपटि के चलत अहें।
होऊ रिक्शा वाला त
घाटे तक चलत अहे।
फिर बड़े प्रेम से दद्दा जी
उनका कुछ समझाते हैं।
गठरी–पुटकी सर पर लादे
सब इधरइ को आते हैं।
धीरे–धीरे चलत–चलत
ऊ पहुंचे घाट किनारे।
घाट नदी का देखि के
फिर राम नाम पुकारे।
दादी कहंई दद्दा से
जा पहिले तू नहाई ला।
हम झोला– झंडी ताकिथा
जा पहिले तू उतराई ला।
बारी–बारी से कूदि– कूदि
फिर दुइनऊ जन नहाते हैं।
गठरी–पुटकी सर पर लादे
सब इधरइ को आते हैं।
संगम की रेती पर बइठे
दद्दा खूब मगन अहैं।
दादिऊ उनसे कम नाहीं
राम–राम जपत अहैं।
झोला खोलि के लेडुआ–ढूंढी
दुइनऊ जन खात अहैं।
छोटकी पतोहिया के बात सुनि
दद्दा खूब मुस्कात अहैं।
प्रयागराज की महिमा
दद्दा, दादी को बतियाते हैं
गठरी–पुटकी सर पर लादे
सब इधरइ को आते हैं।
अब मेला घूमन की बारी
दुइनऊ जन साथ चलत अहैं।
हर दुकानिन का देखाई–देखाई
दद्दा उनसे कुछ कहत अहैं।
एक दुकानी पर से दादी
पितरी का झुमका बेराई लिहिन।
पहिली बार अइसन भा कि बिना लड़े
दद्दा उनका देवाई दिहिन।
तनी सकुचाई के ऊ झुमका
दद्दा, दादी का पहिराते हैं।
गठरी–पुटकी सर पर लादे
सब इधरइ को आते हैं।
लाई–चना लिहे दना दन
दुइनऊ जन फाकत हैं।
सबहीं कुछ अचरज लागे
औ हर अचरज का ताकत हैं।
अइसे भोर से सांझ भई
औ अब चलन की बारी।
हंसि के दद्दा बोले ष्चलबूष्
चलत हैं सब नर–नारी।
दादी पीछे दद्दा आगे
लम्बा कदम बढ़ाते हैं।
गठरी– पुटकी सर पर लादे
सब इधरई से जाते हैं।
माघ नहाने की खातिर
दद्दा, दादी को लाते हैं।



प्रभंजन त्रिपाठी

# भास्कर क्लब महेवा ने जीती वॉलीबाल प्रतियोगिता की शील्ड

## सबजूनियर (अंडर–16) बालक वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न।
## यूनाइटेड वॉलीबाल क्लब ऊँचडीह,की टीम बनी उपविजेता।

मेजाः डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज के तत्वावधान में स्थानीय ऊँचडीह बाजार स्थित वॉलीबाल खेल मैदान में सबजूनियर (अंडर–16) बालकों की वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट सिस्टम के आधार पर खेला गया, जिसका क्रॉस सेमी फाइनल मैच कम्बाइंड क्लब बामपुर चेहरा और यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह के बीच खेला गया। जिसमें यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह की टीम विजई हुई। इसी प्रकार से दूसरा सेमीफाइनल मैच भास्कर क्लब महेवाकलां,मांडा और बद्री नाथ तिवारी इंटर कॉलेज मेजारोड के बीच खेला गया। जिसमें भास्कर क्लब महेवाकलां,मांडा ने बी.एन.टी कॉलेज मेजारोड़ को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं प्रतियोगिता का अंतिम फाइनल मैच भास्कर वॉलीबाल क्लब महेवाकलां,मांडा और यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह के बीच खेला गया। जिसमें भास्कर वॉलीबाल क्लब महेवाकलां,मांडा ने यूनाइटेड क्लब ऊँचडीह की टीम को संघर्षपूर्ण मुकाबले के साथ 18 – 25, 25 – 20 व 25 – 23 अंकों से हराकर सब जूनियर वॉलीबाल प्रतियोगिता की चल बैजंती (रनिंग शील्ड) जीत ली। प्रतियोगिता में मुकेश शुक्ला, असफाक अहमद, संतोष भास्कर, रवि वर्मा आदि ने निर्णायक की भूमिका अदा की। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह एसोसिएशन के महासचिव आर. पी.शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के कोषाध्यक्ष व पूर्व स्पोर्ट्स ऑफिसर हिंडाल्को सोनभद्र के. बी.एल.श्रीवास्तव ने विजेता ध उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार वितरित किया। जबकि प्रतियोगिता का शुभारंभ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ऊँचडीह मुन्ना लाल ने फीता काटकर किया। आयोजन सचिव प्रांजल द्विवेदी ने सभी अतिथियों को बैच लगाकर उनका स्वागत किया तथा आयोजक कमलेश शर्मा ने प्रतियोगिता में पधारें सभी आगंतुक अतिथियों का माल्यार्पण के साथ उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। अंत मे समापन समारोह के अध्यक्ष ने प्रतियोगिता में अच्छे खेल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया और प्रतियोगिता में पधारें सभी खिलाड़ियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त अवसर पर राजेश तिवारी कोटेदार, प्रभाकर चौबे, अंबुज तिवारी, आकाश शुक्ला, राकेश भास्कर, बाबा तिवारी, शिवम तिवारी, अनुराग, गोलू, नितीन, आकाश कुशवाहा, नीलेश व हर्षित आदि खिलाड़ी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।।

# रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) बृज मोहन अग्रवाल का आरेडिका में दौरा

रायबरेली। रेलवे बोर्ड के सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) एवं पदेन सचिव भारत सरकार बृज मोहन अग्रवाल ने दिनांक–18.01.2025 को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली का दौरा किया। श्री अग्रवाल ने कोच एवं फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन के संबंध में आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उत्पादन एवं गुणवत्ता संबंधी कई मुददों पर चर्चा हुई। ज्ञात हो कि श्री अग्रवाल वर्ष–2022 में आरेडिका के महाप्रबंधक भी रह चुके हैं। इनके कार्य काल में आरेडिका में बहुत सारे सुधार किए गये। सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) ने शेलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप एवं फर्निशिंगशॉप आदि का निरीक्षण किया। शेलशॉप में निरीक्षण के दौरान तैयार हो रहे दीन–दयालु, एसी3, चेयरकार, एवं लगेज रैक के निर्माण में होने वाली बेल्डिंग की गुणवत्ता के सुधार हेतु कुछ आवश्यक सुझाव दिए।

श्री अग्रवाल ने अपने दौरे के दौरान सामान्य यात्रियों के सफर के लिए बनने वाले स्लीपर एवं दीन दयालू कोचों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। आने वाले समय में प्रत्येक ट्रेन में जनरल एवं स्लीपर क्लास के कोचों की संख्या बढाई जा रही है जिससे यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित की जा सके। फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन को बढाने के लिए एवं प्लाण्ट की अवसंरचना के विकास के संबंध में उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श किया एवं फोर्ज्ड व्हीलों के ऑटोमेटिक रखखाव के लिए जरूरी कदम उठाए जाने का सुझाव दिया तथा व्हीलों के उत्पादन को बढाकर 80 हजार तक करने के लिए निर्देशित किया। आगे उन्होने कहा कि आरेडिका के विकास कार्यों के लिए वित्त की कोई कमी नही आने दी जाएगी और रेलवे बोर्ड आपके सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। सदस्य (ट्रैक्शन एवं रॉलिंग स्टॉक) ने अपने दौरे के दौरान सभी युनियन प्रतिनिधियों से मुलाकात की, उनसे उत्पादन बढाने के लिए वार्तालाप किया तथा सभी कर्मचारियों के कार्य की सराहना की। यूनियन प्रतिनिधियों ने उनसे मिलकर अपने मॉगों से संबंधित ज्ञापन दिया। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक खरे, ईडीएमई (पीयू एवं डब्ल्यू) विनोद कुमार, एडवाइजर (रेलवे बोर्ड) एस के कटियार, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक राजीव खण्डेलवाल, प्रधान मुख्य विधुत इंजीनियर हरीश चंद्र, प्रधान मुख्य इंजीनियर सत्य प्रकाश यादव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव एवं व्हील फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## बरसाना पुलिस ने दबोचा शातिर मादक पदार्थ तस्कर : गांजा और नगदी बरामद

मथुरा ब्यूरो। थाना बरसाना क्षेत्र स्थित हाथिया तिराहा के पास से एक मादक पदार्थ तस्कर को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी बरसाना अरविंद निर्वाल के नेतृत्व में निरीक्षक रविभूषण शर्मा पुलिस टीम के साथ गश्त करते हुए संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि राकौली हाथिया तिराहा के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरविंद निर्वाल और निरीक्षक रविभूषण शर्मा पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा तस्कर भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर कल्याण पुत्र प्रीतम निवासी नरैना चौथ थाना खौह जिला डीग (राजस्थान) को दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के कब्जे से 1 किलो 9 ग्राम गांजा और गांजा बिक्री के 5 हजार रुपए बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

# गायों को न लगे सर्दी, गोशालाओं में जलेंगे अलावा

मथुरा। गोशालाओं में रहे रहे गोवंश को सर्दी से बचाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। अब गोशालाओं में अलाव जालने की व्यवस्था की गई है। रात को शहर से देहात तक गोशालाओं का निरीक्षण करने के लिए अधिकारी पहुंचे। इस दौरान रैन बसेरों की भी टोह ली गई। नवागत जिलाधिकारी सीपी सिंह के आदेश के बाद एसडीएम और तहसीलदार ने अपने अपने क्षेत्र में रैन बसेरा और गौशाला का निरीक्षण किया। खुद जिलाधिकारी सीपी सिंह ने शनिवार रात्रि 11 बजे तक मथुरा वृंदावन क्षेत्र में बने गौशाला और रेन बसेरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छाता मांट मथुरा गोवर्धन के उप जिला अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अपने अपने क्षेत्र में गौशाला और रेन बसेरा की स्थिति को जाकर देखें।

## हड्डी रोगों से संबंधित निःशुल्क कैंप का आयोजन 21 का

मेजा। क्षेत्र केअमिलहवा चौराहा स्थित जीवन दिशा अस्पताल परिसर में 21 जनवरी मंगलवार को सुबह 10 बजे से हड्डी रोगों से संबंधित इलाज हेतु निशुल्क कैंप का आयोजन किया गया है।कैंप के दौरान गठिया रोग के मरीजों को जहां निशुल्क इंजेक्शन लगाने की सुविधा मिलेगी,वहीं प्रसिद्ध हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवम पांडेय की देख–रेख में गठिया,अर्थराइटिस,कंधा,घुटना, गर्दन एवं अन्य जोड़ों के दर्द का सफल इलाज हेतु मरीजों को निरूशुल्क परामर्श एवं दवाएं भी वितरित की जाएगी। अस्पताल के अधीक्षक डॉ.डी.के श्रीवास्तव ने हड्डी रोगों से प्रभावित स्थानीय लोगों से उक्त कैंप में पहुंचकर लाभ उठाने की अपील की है।

# रोटरी प्लैटिनम ने मनाया पतंग उत्सव

प्रयागराज,। मकर संक्रांति और महाकुंभ मेला 2025 के विशेष अवसर पर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने नवीन कुंज बंगला, लाउडर रोड, प्रयागराज में एक भव्य काईट फेस्टिवल का आयोजन किया। इस आयोजन का नेतृत्व क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन ने किया। उन्होंने कहा कि यह पर्व न

केवल परंपरा और उत्सवधर्मिता को बनाए रखने का अवसर है, बल्कि सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल और सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने का भी माध्यम है। क्लब के सचिव सुमित अग्रवाल ने बताया कि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 के गवर्नर परितोष बजाज के मार्गदर्शन में जिले के सभी रोटरी क्लबों को रोटरी के लोगो वाली विशेष पतंगें उपलब्ध कराई गईं। जिलेभर में कुल 4000 से अधिक पतंगें वितरित की गईं। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने जानकारी दी कि रोटरी प्लैटिनम के सदस्यों ने जमकर पतंगबाजी की और पतंग उड़ाने का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान पतंगों का वितरण भी किया गया। यह आयोजन महाकुंभ मेला के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इस अवसर पर क्लब के सदस्य रोटेरियन प्रमय मित्तल, जया मित्तल, पारुल अग्रवाल, प्रमोद बंसल व पूर्व अध्यक्ष पियूष रंजन अग्रवाल, और अन्य गणमान्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पतंगबाजी के बाद सभी के लिए स्वल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई, जहां सदस्यों ने एक साथ मिलकर स्नैक्स और बातचीत का आनंद लिया। इस आयोजन ने मकर संक्रांति के पर्व को नई ऊंचाई दी और सामुदायिक एकता का संदेश दिया। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के इस आयोजन को सदस्यों और उपस्थित लोगों ने बेहद सराहा ।

## मथुरा में हुआ मिलेट्स रोड शो
## –जनप्रतिनिधि, अधिकारियों ने लिया रोड शो में भाग

मथुरा। मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को लगातार मिलेट्स की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन

योजना अंतर्गत जनपद स्तरीय मिलेट्स रोड शो का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट से टाउनशिप तक किसानों की रैली निकाली गई एवं मोटे अनाज की खेती के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गन्ना मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया, साथ ही योगेश नोहवार एमएलसी, विधायक श्रीकांत शर्मा, आयुक्त आगरा मंडल शैलेन्द्र कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल राजपाल सिंह, उप कृषि निदेशक राजीव कुमार, जिला कृषि अधिकारी अश्विनी कुमार सिंह, जिला कृषि रक्षा अधिकारी सुबोध कुमार एवं विभाग के अन्य कर्मचारी के साथ साथ भारी संख्या में किसानों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

# सम्पादकीय.....

## हिट हुए गीत मगर शोहरत न मिली

भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर कहे जाने वाले समय के संगीत की चर्चा में कई दिग्गज संगीतज्ञों का जिक्र होता है। हर संगीतकार की अपनी खास शैली रही। गीत–संगीत को सुनते ही संगीत के चाहने वाले संगीतकार और गीतकार के नाम का भी आभास कर लेते थे। तब संगीतकारों ने अपने संगीत में कई प्रयोग किए। शास्त्रीयता पर आधारित धुन बनाई वहीं लोकधुनों से भी उनका संगीत सजता रहा। हर विधा पर संगीत रचा गया। ऐसे में कुछ संगीतकारों को अपार शोहरत मिली। लेकिन कुछ संगीतकार विलक्षण प्रतिभा के बावजूद कुछ गीतों के संगीत तक सीमित रहे। हालांकि उनके वो गीत भी कालजयी बने। ऐसे संगीतकारों में दानसिंह, सरदार मलिक, सीएन त्रिपाठी व सपन जगमोहन जैसे नाम हैं। लेकिन फिर भी वो जाने –पहचाने रहे। लेकिन इस दौर में मुरली मनोहर स्वरूप जैसे संगीतकार भी रहे जिसके संगीत में सजे गीत, आरती, गजल भारत में गूंजते रहे लेकिन उन्हें वो शोहरत नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। प्रख्यात भजन गायक हरी ओम शरण ने श्री राधे गोविंदा, मन भजले हर का प्यारा नाम है, मैली चादर ओढ़ के कैसे. ., आरती कुंज बिहारी, रामजी करेंगे बेड़ा पार जैसे भजनों को गाया। उन्होंने हनुमान चालीसा भी गाई। दाता एक राम जैसे भजन एलबम घर–घर गूंजे। उस दौर में टेपरिकॉर्ड पर लोग सुबह–शाम इन भजनों को सुनते थे जो आज भी लोकप्रिय हैं। इन भजनों के संगीतकार मुरली मनोहर स्वरूप ही थे। उन्होंने ढोलक, हारमोनियम, तबला, सारंगी, खड़ताल व बांसुरी जैसे साजों से भजनों की मधुर झंकार भरी। प्रख्यात गायक मुकेश की गाई रामचरित मानस भाव विभोर करती है। साल 1976 के बाद एचएमवी के लिए मुकेश की गाई राम चरित मानस बहुत लोकप्रिय हुई। मुरली मनोहर स्वरूप ने ही मुकेश की गाई रामचरित मानस को संगीतबद्ध किया था। उन्होंने मानस के संगीत के हर कांड में कथा प्रसंगों के अनुरूप संगीत रचा व श्लोकों को शुद्धता –मधुरता से मुकेश से गवाया। यूपी में कासगंज की माटी में संगीत रचा–बसा है जहां भारतीय शास्त्रीय संगीत में ख्याल गायन शैली को सामने लाने वाले अमीर खुसरो ने जन्म लिया। कासगंज में ही तुलसीदास के संगीत शिक्षक हरिहरदास की संगीत पाठशाला भी थी। वर्तमान में स्थानीय रिचा शर्मा के गीत लोगों को भाते हैं। कासगंज में ही पले–बसे मुरली मनोहर स्वरूप ने गीत–संगीत में सुरों की बरसात की। मुरली मनोहर स्वरूप ने पचास से लेकर नब्बे के दशक तक भारतीय संगीत की सेवा की। उन्होंने भारतीय जनमानस को अद्भुत भजनों की सौगात दी। वहीं उनका योगदान भारत में एलपी रिकार्ड की शुरुआत कराने का भी है। साल 1930 में वह अपने पिता के साथ कोलकाता चले गए थे। फिर ग्रामोफोन म्यूजिक कंपनी में काम करने इंग्लैंड गए। पचास के दशक में इंग्लैड की म्यूजिक रिकॉर्ड कंपनी हिज मास्टर्स वायस एमएमपी के साथ मिलकर भारत में म्यूजिक रिकार्ड और एलबम की शुरुआत की। एक तरह से भारत में यह संगीत के प्रचार–प्रसार की क्रांति थी। मुरली मनोहर के संगीत निर्देशन में मुकेश,लता मंगेशकर, हरिओम शरण, बेगम अख्तर, शारदा सिन्हा, मोहम्मद रफी व किशोर कुमार आदि सबने गीत गाए। लेकिन मुरली मनोहर स्वरूप कलाकारों और म्यूजिक इंडस्ट्री के बीच तो चर्चित नाम रहा पर जनमानस में उन्हें बहुत चर्चा नहीं मिली। कितने लोग जानते होंगे कि सत्तर के दशक में हरिओम शरण की गाई प्रसिद्ध एलबम 'दाता एक राम' के संगीत रचनाकार मुरली मनोहर ही थे। जिस हनुमान चालीसा को घर–घर गाया जाता है उसकी धुन मनोहर ने तैयार की थी। वहीं बेगम अख्तर की मशहूर गजल 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' का संगीत भी मनोहर स्वरूप के साजों से निखरा। इसी तरह की मुकेश की गायी 'बराबर से बचकर निकलने वाले, मेरे महबूब मेरे दोस्त' को बेहतरीन संगीत के लिए याद किया जाता है। मन्ना डे की 'हैरान हूं सनम' बहुत लोकप्रिय हुई। भारतीय लोकजीवन में शारदा सिन्हा का गायन अनमोल है। उन्होंने छठ पर्व के गीतों को सजाया। लोकमंगल के गीत गाए। मुरली मनोहर स्वरूप के साजों में शारदा सिन्हा के विवाह विदाई गीत लोकजीवन की धरोहर बन गए हैं। मुरली मनोहर स्वरूप नब्बे के दशक में अपनी बेटी के पास लंदन चले गए थे। इसके बाद वह गुमनामी में रहे। 'अग्निपथ अग्निपथ' तो सुर संगीत में सज गया, लेकिन मुरली मनोहर स्वरूप को याद किसी ने नहीं किया। भारतीय संगीत में नौशाद, शंकर जयकिशन, मदन मोहन, एसडी बर्मन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल व खैय्याम सबको अपने सृजन पर शोहरत मिली। मुरली मनोहर स्वरूप इसी स्तर के साधक थे। संगीत में रमे लोगों को उन्हें उनका श्रेय देना चाहिए।

# किन्नर अखाड़ा: जिज्ञासा के साथ श्रद्धा का स्थल भी

**शिवा शंकर पाण्डेय**

*महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, धर्माचार्य, तमाम अखाड़ों से लेकर लाखों कल्पवासियों के बीच मेला क्षेत्र के सेक्टर–16 संगम लोअर मार्ग पर मौजूद किन्नर अखाड़ा लोगों की दिलचस्पी और जिज्ञासा का विषय बना है।*

बीते कुछ सालों से अस्तित्व में आये किन्नर अखाड़े के प्रति श्रद्धालुओं का आकर्षण स्वाभाविक है। इस अखाड़े में जुटे हजारों महिला–पुरुष साष्टांग दंडवत कर उन्हें न सिर्फ पूज रहे हैं बल्कि आशीर्वाद भी ले रहे हैं। सनातन धर्म में किन्नरों को भगवान शिव–उपासक और आशीर्वाद दाता के रूप में देखा जाता है। तीर्थराज प्रयाग महाकुंभ में करोड़ों तीर्थयात्री, लाखों कल्पवासी मोक्ष की लालसा में आए हैं। महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, धर्माचार्य, तमाम अखाड़ों से लेकर लाखों कल्पवासियों के बीच मेला क्षेत्र के सेक्टर–16 संगम लोअर मार्ग पर मौजूद किन्नर अखाड़ा लोगों की दिलचस्पी और जिज्ञासा का विषय बना है। रोजाना हजारों श्रद्धालु यहां आकर आशीर्वाद लेकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं। संयोग देखिए, पैदा होने पर समाज ने ठुकराया, मुख्यधारा से अलग रखा गया। उसी किन्नर अखाड़ा में जुटे सैकड़ों–हजारों महिला –पुरुष साष्टांग दंडवत करके उन्हें न सिर्फ पूज रहे हैं बल्कि उनका आशीर्वाद लेकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं। किन्नर अखाड़ा उज्जैन पीठ के महामंडलेश्वर पवित्रानंद गिरि बताते हैं कि शिव पुराण में अर्धनारीश्वर का जिक्र मिलता है। हमारे आराध्य देव शिव होते हैं। अखाड़ों पर शोध कर रहे पीयूष आनंद बताते हैं कि महाकुंभ मेला में किन्नर अखाड़ा के प्रति लोगों का आकर्षण देखा जा रहा है। बीते कुछ सालों में ही किन्नर अखाड़ा की स्थापना की गई। तेरह अखाड़ों में एक प्रमुख अखाड़े के रूप में किन्नर अखाड़ा महज सात–आठ साल के भीतर अपनी खास पहचान बना चुका है। वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार बताते हैं किन्नर अखाड़ा स्थापित करने की बात आई तो शुरुआती दिनों में इसका विरोध हुआ। सुप्रीम कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि थर्ड जेंडर के रूप में जब सारे अधिकार हासिल हैं तो इनको पूजा पद्धति से कैसे रोका जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद बाकायदा किन्नर अखाड़ा की स्थापना हुई। इस अखाड़े के संस्थापक मुखिया और आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने देश के अलावा विदेश तक से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने में खासी मशक्कत की। हिंदू धर्म छोड़कर पूर्व में इस्लाम अपनाने वाले कई दर्जन लोगों को किन्नर अखाड़ा ने घर वापसी कराई है। हिंदू सनातन धर्म में किन्नरों को भगवान शिव का

उपासक और आशीर्वाद देने वाले के रूप में देखा जाता है। किन्नर अखाड़ा ने देश–विदेश, अलग–अलग क्षेत्रों में अब तक कई मंडलेश्वर और महामंडलेश्वर बनाए। आगे भी विस्तार की योजना है। महामंडलेश्वर आचार्य डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का कहना है कि ट्रांसजेंडर राइट्स को लेकर किन्नर अखाड़ा कई महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। एक समय था, जब समाज में किन्नरों को हीन दृष्टि से देखा जाता था लेकिन अब काफी सकारात्मक बदलाव हुआ है। पहले उपेक्षात्मक रवैया था लेकिन अब काफी बदलाव हुआ है। बैंकॉक, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, सेन फ्रांसिस्को, अमेरिका, हॉलैंड, फ्रांस और रूस सहित दुनिया के कई देशों के ट्रांसजेंडरों को इस अखाड़े में शामिल करने का लक्ष्य है। खुद की कोई संतान तो नहीं हुई पर हजारों लोगों की मां, अम्मा, मइया और माई की भूमिका निभा रहीं किन्नर अखाड़ा प्रमुख डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी खुद को गौरवान्वित महसूस करती हैं। हजारों किन्नरों के मां, अम्मा, माई और मइया जैसे संबोधन और अपनत्व खुद में रोमांच पैदा करता है।

# कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

**प्रवीण गुगनानी**

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15: कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के क़दमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात–ए–इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार–काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल–सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं–धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक–बर्बर–क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक–चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक–बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता–बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या

कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ़ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों–घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया। अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएलफ़ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर–दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार–काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आततायियों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए। हजारों कश्मीरी पंडित दिल्ली, मेरठ, लखनऊ जैसे नगरों में सनस्ट्रोक से इसलिए मृत्यु को प्राप्त हो गए क्योंकि उन्हें गर्म मौसम में रहनें का अभ्यास नहीं था। 40 वर्ष पूर्ण हुए किन्तु कश्मीरी पंडितों के घरों पर हिजबुल द्वारा नोटिस चिपकाए जानें से लेकर विस्थापन तक और विस्थापन से लेकर आज तक के समय में मानवाधिकार, मीडिया, सेमीनार, तथाकथित बुद्धिजीवी, मोमबत्ती बाज और संयुक्त राष्ट्र संघ सभी इस विषय में कमोबेश बोले या नहीं यह तो नहीं पता किन्तु इन कश्मीरी पंडितों की समस्या का कोई ठोस हल अब तक नहीं निकला यह समूचे विश्व को पता है ये सच से मूंह मोड़ने और शुतुरमुर्ग होनें का ही परिणाम है कि कश्मीरियों के साथ हुई इस घटना को शर्मनाक ढंग से स्वेक्च्छा से पलायन बताया गया! इस घटना को राष्ट्रीय मनावाधिकार आयोग ने सामूहिक नर संहार माननें से भी इंकार किया; ये घोर अन्याय और तथ्यों की असंवेदी अनदेखी है!! नरेन्द्र मोदी सरकार कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास हेतु प्रतिबद्ध है और वह इस प्रतिबद्धता को दोहराती रही है।

# सड़क हादसों पर गड़करी की चिन्ता जायज

**प्रेम शर्मा**

भारत की सड़कों की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक में आए दिन सवाल सामने आते रहे है। कभी सड़क निर्माण होने के एक माह और तीन माह के बीच ही सड़क की परतें बिखरने, शहरों में बनने वाली सड़कों दस फिट से लेकर 15 फिट तक होल होने सहित कई घटनाएं सामने आती रहती है जो इस बॉत का प्रमाण है कि सड़कोंश् के निर्माण में गुणवत्ता और नियमों की कही न कही अनदेखी की जा रही है। 2021 में देश में सड़क हादसों में 1,53,972 मौतें हुई थीं, जो 2022 में बढ़कर 1,68,491 हो गईं। हालिया केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 12 दिसंबर को कहा था कि दुनिया में सड़क हादसों को लेकर सबसे खराब रिकॉर्ड हमारा है। सड़क हादसों पर उनकी याह चिन्ता बिलकुल जायज है। सड़क दुर्घटनाएं ना केवल जान–माल की हानि करती है, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था पर (स्वास्थ देखभाल की नजर से) भी काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। हालाकि हर सड़क दुघर्टना में सड़के ही जिम्मेदार हो ऐसा नही है। कई सड़क दुघर्टनाओं में देखा गया है कि ज्यादा रफ्तार से गाड़ी चलाने, नशे में गाड़ी चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने, ओवरटेकिंग करते समय लापरवाही, यातायात के नियमों का उल्लंघन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक न होने, वाहन चालकों का यातायात के चिह्नों पर ध्यान न देना और पैदल चलने वालों का भूमिगत और पैदल पारपथ का इस्तेमाल न करने के कारण भी सड़क दुघर्टनाओं में मौते हुई है। यानि सड़क दुर्घटनाओं पर काबू न पाए जा सकने को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री की चिंता वाजिब है। इसके लिए वे खराब सड़क निर्माण को जिम्मेदार मानते हैं। इसके पहले भी उन्होंने संसद में कहा था कि विदेश में जब भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं और सड़कों के निर्माण को लेकर बात होती है, तो उन्हें शर्म से मुंह छिपाना पड़ता है। सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। उनके अनुसार खराब सड़क निर्माण को गैर–जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। सड़क निर्माण के ठेकेदारों और इंजीनियरों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। निस्संदेह यह सुझाव कठोर लग सकता है। मगर चूंकि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने संकल्प लिया है कि वह 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को घटा कर आधा करना है तो इस संकल्प को बिना ऐसे कठोर कदम के हासिल नही किया जा सकता। मंत्रालय के अनुसार 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई, जिनमें से एक लाख बहत्तर हजार लोगों की मोत हो गई। इनमें से एक लाख चौदह हजार लोगों की उम्र अठारह से पैंतालीस वर्ष के बीच थी।इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 474 लोगों की जान गई या लगभग हर तीन मिनट में एक मौत हुई। सड़क दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिए कई उपाय आजमाए जा चुके हैं। यातायात नियमों के उल्लंघन पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया। जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। मगर इसका कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आया। सड़क दुर्घटनाएं हर वर्ष कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण सड़कों का खराब ढंग से निर्माण चिह्नित किया गया है। राजमार्गों और द्रुतगामी सड़को पर चौड़ाई आदि में एकरूपता और मोड़ों पर उचित तकनीक का इस्तेमाल न होने के कारण दुर्घटनाएं और मौतें अधिक होती हैं। परिवहन मंत्री ने इस बात की पहचान की और इसे स्वीकार भी किया। सड़कों पर जिन वजहों से दुर्घटनाएं और मौतें होती हैं, उन्हें दूर करने के लिए भारी रकम भी आबंटित की गई है। परिवहन मंत्री ने माना है कि खराब निर्माण सामग्री के इस्तेमाल और अव्यावहारिक डिजाइन की वजह से सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। उनकी चिंता जायज है, लेकिन इसके लिए जिम्मेदारी तय कौन करेगा। यह सर्वविदित है कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का पैमाना काफी ऊंचा है। सड़कों के ठेके देने से लेकर उनकी लागत तय करने और फिर तैयार सड़कों की गुणवत्ता का आकलन करने तक अनियमितताएं उजागर होती रहती हैं। इस तरह यह भ्रष्टाचार का एक संगठित तंत्र जैसा बन गया है। ऐसे में अगर ठेकेदारों और इंजीनियरों की कमियों को गैरजमानती अपराध घोषित कर भी दिया जाता है, तो उनमें इसका कितना भय होगा, कहना मुश्किल है। सड़कों की बनावट मानकों के अनुरूप नहीं है, इसका आकलन तो संबंधित महकमे को करना होता है।

# हिना खान के कैंसर रिकवरी पर रोजलिन खान ने उठाए सवाल, बोली- सुर्खियां पाने के लिए कर रही हैं बातें

हिना खान इन दिनों सुर्खियों में हैं, जब से उन्होंने अपने ब्रेस्ट कैंसर का खुलासा किया है। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपना इलाज साझा करती रहती हैं और उनके प्रशंसक उनकी हिम्मत की सराहना कर रहे हैं, जबकि वह अपनी काम की प्रतिबद्धताओं को पूरा करती हैं। हालांकि, अब अभिनेत्री रोजलिन खान ने हिना खान पर कैंसर को लेकर बयान देने के कारण आलोचना की है और आरोप लगाया है कि हिना इसे सिर्फ लाइमलाइट में आने के लिए कर रही हैं। रोजलिन खान ने हाल ही में हिना खान के कैंसर रिकवरी पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया दी। रोजलिन ने बताया कि वह खुद स्टेज 4 कैंसर से उबर चुकी हैं और उन्होंने हिना के द्वारा दिए गए कैंसर इलाज को लेकर बयान को गलत बताया। उन्होंने कहा, स्टेज 3 में पहले सर्जरी होती है, फिर कीमोथेरेपी और बाद में रेडिएशन। पिछले दो साल से मैं कैंसर के बारे में जानकारी प्राप्त कर रही हूं और मुंबई के अनुभवी Oncologists के साथ काम कर रही हूं। हिना खान के बारे में ये सुनकर हैरानी हुई कि उन्होंने 15 घंटे की सर्जरी की बात की। 15 घंटे की सर्जरी किसकी? डेंजमबजवउल की? जब वह ऑपरेशन थिएटर से बाहर आईं, तो उन्होंने परिवार के लिए मुस्कान दी, जो कि झूठ है। मेरा व्यक्तिगत अनुभव यह है कि Mastectomy के बाद मुझे तीन दिन तक नशे में रखा गया था। कोई भी इतनी जल्दी होश में नहीं आता। मुझे लगता है हिना खान सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए अतिरंजित बातें कर रही हैं।' उन्होंने आगे कहा, डेंजमबजवउल पूरे ब्रेस्ट को हटाना और फिर पुनर्निर्माण होता है। यह एक बहुत बड़ी सर्जरी है, जो 8 से 10 घंटे तक चलती है क्योंकि बीच में सैंपल्स को जांच के लिए लैब में भेजा जाता है, और मरीज ऑपरेशन थिएटर में सो रहे होते हैं। हिना खान की कीमोथेरेपी के दौरान वह दुनिया भर में यात्रा कर रही थीं, जो कैंसर प्रोटोकॉल्स के खिलाफ है। अब तक वह अपनी गंजापन को छिपा रही हैं,

> “
> मुझे लगता है हिना खान सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए अतिरंजित बातें कर रही हैं।२ उन्होंने आगे कहा, Mastectomy पूरे ब्रेस्ट को हटाना और फिर पुनर्निर्माण होता है। यह एक बहुत बड़ी सर्जरी है, जो ८ से १० घंटे तक चलती है क्योंकि बीच में सैंपल्स को जांच के लिए लैब में भेजा जाता है, और मरीज ऑपरेशन थिएटर में सो रहे होते हैं। हिना खान की कीमोथेरेपी के दौरान वह दुनिया भर में यात्रा कर रही थी, जो कैंसर प्रोटोकॉल्स के खिलाफ है।

क्यों? क्या वह अपने गंजे सिर को दिखाने के लिए साहसी नहीं हैं? जब वह स्टेज 3 में हैं, तो उन्हें रेडिएशन लेना चाहिए। वह सबको अंधेरे में रख रही हैं क्योंकि वह जानती हैं कि जो लोग कैंसर के इलाज के बारे में जानते हैं, वह उनके झूठ पकड़ लेंगे। मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि अगर वह वास्तव में कैंसर और उसके इलाज के बारे में बात करना चाहती हैं, तो अपनी रिपोर्ट इंस्टाग्राम पर पोस्ट करें। यह सिर्फ पीआर एक्टिविटी है ताकि वह खबरों में बनी रहें। हिना खान वर्तमान में गृह लक्ष्मी नामक सीरीज में नजर आ रही हैं। यह एक काल्पनिक गांव बेटलगढ़ की कहानी है, जिसमें लक्ष्मी नामक एक गृहिणी की जिंदगी में अपराध और ड्रग्स के अंडरवर्ल्ड में बदलाव आता है। अपने परिवार का समर्थन करने के लिए, उसे एक खतरनाक खेल में शामिल होना पड़ता है, और अंत में वह एक अवैध साम्राज्य की रानी बन जाती है। इस सीरीज में बिनदाल चंदकंल, राहुल देव और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी हैं, और इसे रुमान किदवई ने डायरेक्ट किया है।

# कॉमेडी और जॉम्बी मूवी करना चाहते हैं विजय वर्मा, बोले-चुनौती पसंद है

फिल्म इंडस्ट्री के सफल अभिनेता विजय वर्मा ने हाल ही में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान अभिनेता ने बताया कि आज उन्हें जो भी सफलता मिली है उसकी वजह दर्शक हैं। अभिनेता ने बताया कि दर्शकों की वजह से उन्हें सफलता मिली, जिन्होंने उनकी क्षमता को पहचाना और उन्हें शानदार अवसर मिले। इसके साथ ही अभिनेता ने बताया कि वह किस तरह की फिल्मों में हाथ आजमाना चाहते हैं। खुद को लगातार अलग–अलग और चुनौती भरी भूमिका को लेकर उन्होंने कहा, मुझे अक्सर लगता है कि मैंने अपनी एक्टिंग से जो कुछ भी हासिल किया है, वह इसलिए संभव हुआ क्योंकि किसी ने मुझमें कुछ देखा है। यह मैं नहीं हूं जो इस किरदार को बना रहा हूं, बल्कि कोई कह रहा है कि तुम हर तरह के किरदार को निभा सकते हो। अभिनेता ने आगे कहा, " मैं इसलिए चुनौती चाहता हूं। मैं कॉमेडी भी करना चाहता हूं और मैं एक जॉम्बी फिल्म करना चाहता हूं, जो मेरी पसंदीदा शैली में से एक है। विजय वर्मा ने कहा, मुझे लगता है कि साल 2020 से अब तक मेरी लगभग 15 ओटीटी रिलीज हो चुकी हैं और वे सभी स्ट्रीम कर रही हैं। ज्यादातर नेटफ्लिक्स और अमेजन पर हैं। फिल्में बनी हैं और सीरीज भी बनी हैं और मैं लकी हूं कि अच्छी फिल्मों का हिस्सा रहा हूं।" उन्होंने ओटीटी ब्लॉकबस्टर आईसी81 की सफलता पर भी बात की और कहा, ष्मैं और अरविंद सर इसका हिस्सा थे। यह नेटफ्लिक्स के सबसे बड़े शो में से एक है और ऐतिहासिक घटना पर बनी है।" विजय वर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता की 'उल जलूल इश्क' और 'मटका किंग' रिलीज के लिए तैयार है।

# शिल्पा शेट्टी को पसंद है एक्शन, बोलीं- 'इंडियन पुलिस फोर्स' में शानदार थी 'तारा शेट्टी' की भूमिका

रोहित शेट्टी निर्देशित 'इंडियन पुलिस फोर्स' की रिलीज को एक साल पूरा हो चुका है। इस मौके पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने सीरीज में काम करने और एक्शन पर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें एक्शन बहुत पसंद आया और एक्शन के दौरान जो दर्द हुआ वह बेकार नहीं गया। रोहित शेट्टी की सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में अभिनेत्री महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने एटीएस चीफ तारा शेट्टी की भूमिका निभाई थी। शिल्पा ने कहा, इंडियन पुलिस फोर्स को रिलीज हुए एक साल हो चुका है और मुझे एहसास हुआ कि समय कितनी तेजी से बीत जाता है। ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो जब मैं अपने किरदार के लिए ट्रेनिंग पर थी। मुझे याद है कि एटीएस चीफ की भूमिका निभाने पर मुझे कितना गर्व होता था। तारा शेट्टी हमेशा खास रहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे एक्शन पसंद आया, वो वास्तव में दर्द और पसीने के लायक था। रोहित शेट्टी की पुलिस–वर्स का हिस्सा बनना और कुछ बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करना अद्भुत था। सीरीज की सफलता को लेकर शिल्पा ने बताया कि वह दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करती हैं, जिन्होंने सीरीज को प्यार दिया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि मुझे हमारे पुलिस बल को सम्मान देने का मौका मिला। 'इंडियन पुलिस फोर्स' में शिल्पा शेट्टी के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय, श्वेता तिवारी समेत अन्य सितारे खास भूमिका में हैं। शिल्पा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर ताजा सब्जियों के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा था, आलू और गोभी, लेकिन अलग–अलग।

# कन्नप्पा से अक्षय कुमार का लुक सामने आया, 'महादेव' के अवतार में त्रिशूल लिए दिखे एक्टर

तीन दशकों से हिंदी सिनेमा पर राज कर रहे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अब साउथ सिनेमा की ओर रुख कर रहे हैं। वह आगामी फिल्म कन्नप्पा से तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। सोमवार को फिल्म से अभिनेता का पूरा लुक सामने आया है। गौरतलब है कि कन्नप्पा की घोषणा पिछले साल की गई थी। फिल्म में अभिनेता की एंट्री ने लोगों में काफी उत्साह पैदा कर दिया था। पिछले कुछ समय से उनके इस फिल्म का हिस्सा होने की अफवाहें चल रही थीं, लेकिन आखिरकार अक्षय के फर्स्ट लुक के साथ ही इस खबर की पुष्टि हो गई है।

कन्नप्पा के लिए अक्षय कुमार का लुक

कन्नप्पा फिल्म से अक्षय कुमार का पूरा लुक सामने आ गया है। वह फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे हाथ में डमरू लिए नजर आ रहे हैं। भगवान शिव का यह लुक उन पर काफी सूट कर रहा है। अक्षय कुमार ने शानदार पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ष्कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखना। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करना सम्मान की बात है। भगवान शिव हमें इस दिव्य यात्रा पर मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय। अक्षय कुमार को भगवान शिव की भूमिका में देखने के लिए प्रशंसक काफी उत्साहित दिख रहे हैं। एक यूजर ने कहा, ष्मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकता।ष एक ने अभिनेता को बॉलीवुड का बादशाह बताया है। एक यूजर ने लिखा, ष्महादेव की भूमिका में अक्षय सर जितना परफेक्ट कोई और नहीं लग सकता।ष लोग फायर इमोजी के साथ भी अपना उत्साह व्यक्त कर रहे हैं।

कन्नप्पा रिलीज की तारीख

मोहन बाबू द्वारा निर्मित कन्नप्पा में विष्णु मांचू मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कन्नप्पा से पहले अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म स्काई फोर्स 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

# परवीन बॉबी

## की आंखों में थी गजब की खूबसूरती, अपने दौर के सभी अभिनेताओं के साथ किया था काम

परवीन बॉबी फिल्म इंडस्ट्री की इतनी खूबसूरत अदाकारा थी कि जब उसे कोई देखता तो बस एकटक देखता ही रह जाता था। उसकी आंखें इतनी खूबसूरत थी कि मानो जैसे कोई अप्सरा स्वर्ग से स्वयं उतर आई हो। महज कुछ ही समय में वह फिल्म इंडस्ट्री में सभी की चहेती बन गई और हिंदी सिनेमा की सबसे खूबसूरत और बोल्ड ऐक्ट्रेसेस में शुमार हो गई। परवीन बॉबी की ने अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के टेलेंट के दम पर करीब दो दशकों तक हिंदी सिनेमा पर राज किया और आज हमारे बीच न होने के बाद भी सभी के दिलों पर राज कर रही हैं।

परवीन का प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा बॉबी का जन्म गुजरात के जूनागढ़ में हुआ था और उनकी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा औरंगाबाद में हुई और बाद में उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद में पढ़ाई की। उनके पिता वली मोहम्मद बाबी एक गुजराती मुस्लिम जूनागढ़ के नवाब के साथ एक प्रशासक थे। परवीन का जन्म अपने माता–पिता की शादी के चौदह साल बाद हुआ था और वह इकलौती संतान थीं।

फ्लॉप फिल्मों के बाद भी पाया स्टारडम

उन्होंने अपने सफर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। जल्द ही उन्हें फिल्मों में ब्रेक मिल गया। जब 1973 में उन्होंने क्रिकेटर सलीम दुर्रानी के ऑपोजिट फिल्म श्चौत्रश से डेब्यू किया। फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन परवीन बॉबी का चेहरा और खूबसूरती लोगों की आंखों में बस गई। हर कोई यह जानने को उत्सुक हो गया कि आखिर यह लड़की है कौन? शायद यही वजह रही कि उन्हें फ्लॉप डेब्यू के बाद भी ढेर सारी फिल्मों के ऑफर मिले। डेब्यू के एक साल के अंदर ही उन्होंने अमिताभ बच्चन के ऑपोजिट पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म दी।

टाइम मैगजीन पर हुईं फीचर

अपने बॉलीवुड के सफर के 2–3 साल के अंदर ही उन्होंने इतनी ख्याति पा ली कि वह टाइम मैगजीन के कवर पर फीचर हुईं। वह बॉलीवुड की पहली स्टार थी, जो टाइम मैगजीन के कवर पर नजर आयी थी। परवीन बॉबी का स्टारडम और जादू हर निर्माता–निर्देशक से लेकर हर हीरो के सिर चढ़कर बोल रहा था। अब हर कोई उनके साथ काम करना चाहता था।

हर बड़े अभिनेता के साथ किया काम

परवीन ने अमिताभ के अलावा उस वक्त के सभी लीड हीरो जैसे कि शशि कपूर, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना और ऋषि कपूर और फिरोज खान के साथ काम किया। फिल्मी जगत के शहंशाह अमिताभ बच्चन के साथ परवीन की जोड़ी को इतना पसंद किया गया कि फिल्ममेकर भी लगभग हर फिल्म में दोनों की जोड़ी को रिपीट करने के सपने देखते रहते। परवीन और अमिताभ ने दर्जनों फिल्मों में साथ काम किया और लगभग सभी फिल्में हिट रहीं। इनमें 'सुहाग', 'मजबूर', 'दीवार', 'देशप्रेमी', 'नमक हलाल', 'काला पत्थर', 'कालिया' और 'अमर अकबर ऐंथनी' जैसी फिल्में शामिल हैं।

फिल्म इंडस्ट्री छोड़ी और अध्यात्म में गईं

परवीन बॉबी ने 1983 में ही भारत छोड़ दिया और अध्यात्म की तलाश में अपने दोस्तों के साथ अमेरिका चली गईं। उस वक्त परवीन बॉबी का फिल्मी करियर ऊंचाइयों पर था। इस दौरान उन्होंने कई देशों की यात्रा की। 1984 में जब परवीन को न्यूयॉर्क के एक एयरपोर्ट पर रोका गया तो उस वक्त उनका बर्ताव बदला–बदला सा महसूस हुआ। कुछ पहचान पत्र न दिखा पाने की वजह से परवीन बॉबी को कई दिनों तक मानसिक रूप से बीमार लोगों के साथ एक अस्पताल में रखा गया था।

रहस्यमय तरीके से हुई मौत

धीरे–धीरे उनकी जिंदगी में अब अकेलापन और भी बढ़ता जा रहा था। फिल्म इंडस्ट्री से उन्होंने खुद को काट लिया था लेकिन 1973 से 1992 के बीच वह अखबारों से लेकर मैगजीन तक के लिए लिखती रहीं। मुंबई के अपने घर में वह अकेली रहती थीं। किसी का कोई आना–जाना नहीं था। जो उनके अपने थे उन्होंने भी परवीन बॉबी से कन्नी काटनी शुरू कर दी।

इसके बाद वह 20 जनवरी 2005 को अपने मुंबई अपार्टमेंट में मृत पाई गई थी, जब उसके आवासीय सोसायटी के सचिव ने पुलिस से शिकायत की कि उसने दो दिनों से अपने दरवाजे से दूध और समाचार पत्र नहीं उठाए हैं। उसके मधुमेह की स्थिति की जटिलता के रूप में उसके पैर में गैंग्रीन पाया गया था। पुलिस ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया। इस्लामी रीति–रिवाजों के अनुसार उसका अंतिम संस्कार करने के बाद, उसे 23 जनवरी को मुंबई में सांताक्रूज में उसकी मां के बगल में दफनाया गया।

# सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी–ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ–साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है। गुड़ को आप कई अलग–अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें–

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका–

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10–15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री–

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका–

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका–

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

# क्या आप भी नहीं सो पाते रातभर? वजह हो सकती है इस विटामिन की कमी

आजकल की तेज–तर्रार और व्यस्त जीवनशैली के कारण कई लोग नींद की कमी का सामना करते हैं। सही समय पर नींद न लेना केवल शारीरिक थकान का कारण नहीं बनता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और इम्यून सिस्टम पर भी बुरा प्रभाव डालता है। नींद की कमी से शरीर में ऊर्जा की कमी, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नींद की समस्या केवल बाहरी कारणों से नहीं, बल्कि शरीर में कुछ महत्वपूर्ण विटामिन्स की कमी के कारण भी हो सकती है? जी हां, हाल ही में किए गए अध्ययन से यह बात सामने आई है कि विटामिन डी की कमी से भी नींद में गड़बड़ी हो सकती है। इस लेख में हम जानेंगे कि विटामिन क की कमी नींद पर किस प्रकार असर डालती है और इसे कैसे ठीक किया जा सकता है।

विटामिन क और नींद का संबंध

विटामिन डी एक ऐसा विटामिन है जो हमारे शरीर को सूर्य की रोशनी से प्राप्त होता है। इसके अलावा, यह हमारे शरीर में कैल्शियम के अवशोषण और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। हालांकि, विटामिन डी का संबंध केवल हड्डियों से नहीं है, बल्कि यह हमारी नींद और मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। विटामिन डी का प्रभाव मस्तिष्क में स्थित सर्काडियन रिदम पर भी पड़ता है, जो नींद और जागने के समय को नियंत्रित करता है। हालांकि, विटामिन डी की कमी के कारण नींद में कमी की समस्या अभी भी शोध का विषय है, लेकिन कई अध्ययन यह बताते हैं कि विटामिन डी की कमी से नींद के दौरान आने वाली समस्याए जैसे अनिद्रा समय पर न सो पाना, और नींद का पूरी तरह से न आना बढ़ सकती हैं।

विटामिन डी की कमी के लक्षण

नींद में गड़बड़ी

विटामिन डी की कमी के कारण शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर प्रभावित होता है, जो नींद को नियंत्रित करता है। इस वजह से रात में गहरी और आरामदायक नींद नहीं आ पाती। साथ ही, बार–बार नींद टूटना या जल्दी जाग जाना भी विटामिन डी की कमी का एक प्रमुख संकेत हो सकता है। लंबे समय तक इस समस्या को नजरअंदाज करने से अनिद्रा जैसी गंभीर समस्या हो सकती है।

थकान और कमजोरी

विटामिन डी की कमी से शरीर की मांसपेशियों और ऊर्जा के स्तर में गिरावट आ सकती है। इसका कारण यह है कि विटामिन क शरीर के मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखने में मदद करता है। कमी होने पर, आप दिनभर थका हुआ महसूस कर सकते हैं, भले ही पर्याप्त नींद क्यों न ली हो। यह कमजोरी न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक थकान के रूप में भी प्रकट हो सकती है, जिससे काम करने की क्षमता में कमी आती है।

मूड स्विंग्स और डिप्रेशन

विटामिन डी का सीधा संबंध सेरोटोनिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर से है, जो मूड को स्थिर रखने में मदद करता है। विटामिन डी की कमी होने पर सेरोटोनिन का स्तर घट सकता है, जिससे उदासी, निराशा, और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं। कई अध्ययन यह भी बताते हैं कि विटामिन क की कमी डिप्रेशन और चिंता का प्रमुख कारण हो सकती है। इसके चलते मानसिक तनाव भी बढ़ जाता है, जो सीधे आपकी नींद पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

हड्डियों में दर्द

विटामिन डी शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे हड्डियाँ मजबूत रहती हैं। इसकी कमी होने पर हड्डियों में दर्द और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। यह दर्द रात को अधिक महसूस होता है, जिससे सोने में बाधा उत्पन्न होती है। खासकर वृद्ध लोगों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है, क्योंकि उनके शरीर में विटामिन डी का स्तर उम्र के साथ और कम हो जाता है।

कमजोर इम्यून सिस्टम

सुबह की थकान और रात की बेचैनी का असली कारण? इस विटामिन की कमी

विटामिन डी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी होने पर शरीर संक्रमण और बीमारियों का शिकार जल्दी बन सकता है। जैसे ही शरीर किसी संक्रमण से लड़ता है, नींद पर इसका बुरा असर पड़ता है। साथ ही, बीमारी के दौरान शरीर अधिक आराम की मांग करता है, लेकिन विटामिन डी की कमी के कारण यह आराम मिलना मुश्किल हो सकता है।

विटामिन डी की कमी का कारण

विटामिन डी की कमी कई कारणों से हो सकती है। सबसे प्रमुख कारण है सूर्य की रोशनी से उचित मात्रा में विटामिन डी का न मिलना। खासकर उन लोगों में जिनका जीवन शैली मुख्य रूप से इनडोर होता है, जैसे कि ऑफिस में काम करने वाले लोग, घर में रहने वाले बुजुर्ग लोग, या जो लोग सूरज की रोशनी से बचने के लिए सनस्क्रीन का अत्यधिक इस्तेमाल करते हैं, उन्हें विटामिन डी की कमी का खतरा ज्यादा होता है। इसके अलावा, खराब आहार, जंक फूड की अधिकता, और पौष्टिक आहार की कमी भी विटामिन डी की कमी का कारण बन सकती है।

विटामिन डी की कमी को कैसे दूर करें

सूर्य की रोशनी: विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूर्य की रोशनी है। दिन में कम से कम 15–30 मिनट की धूप शरीर को विटामिन क प्राप्त करने में मदद करती है। सुबह या शाम की हल्की धूप में बाहर निकलने से शरीर में विटामिन डी का स्तर बढ़ सकता है।

विटामिन डी से भरपूर आहार: विटामिन डी के अच्छे आहार स्रोतों में मछली (विशेष रूप से सैल्मन, टूना), अंडे की जर्दी, दुग्ध उत्पाद, और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थ जैसे दूध ा, दही, और ताजे संतरे का रस शामिल हैं।

विटामिन डी सप्लीमेंट्स: यदि आपकी खुराक में विटामिन डी की कमी हो रही हो, तो आप डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी के सप्लीमेंट्स ले सकते हैं। ये विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होते हैं जो पर्याप्त धूप में नहीं जा पाते या आहार से इसे पूरा नहीं कर पाते।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं: सही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। नियमित व्यायाम करें, जिससे शरीर के हार्मोनल संतुलन में सुधार हो और नींद की गुणवत्ता भी बेहतर हो।

विटामिन डी की कमी से न केवल हड्डियों और शरीर की अन्य समस्याएँ होती हैं, बल्कि यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकती है। यदि आप नींद की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो पहले विटामिन डी के स्तर की जांच कराएं और इसके बाद सही आहार और जीवनशैली को अपनाएं। सही समय पर विटामिन क का सेवन और पर्याप्त धूप में रहकर आप नींद की समस्याओं को दूर कर सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

# गाजर के सीजन में बनाएं ये स्पेशल डिशेज, मजे से खाएंगे बच्चे और बनेंगे ताकतवर

सर्दी में बच्चों को स्वस्थ रखने और उनके शरीर की कमजोरी को दूर करने के लिए गाजर बेहद फायदेमंद है। गाजर पोषक तत्वों से भरपूर होती है, इसमें सोडियम, पोटेशियम, आयरन, प्रोटीन, फाइबर, फोलेट, विटामिन ए और सी पाया जाता है। हम आपको गाजर की कई ऐसी रेसिपीज के बारे में बताने जा रहे हैं बच्चों के लिए स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं। इसे बनाना भी बेहद आसान है।

गाजर का हलवा

सामग्री

– गाजर 500 ग्राम (कद्दूकस की हुई)
– दूध 1 लीटर
– चीनी 150 ग्राम
– घी 2–3 टेबलस्पून
– इलायची पाउडर 1/2 चम्मच
– काजू, बादाम, पिस्ता (कटे हुए) 2–3 टेबलस्पून

विधि

1. कढ़ाई में घी गर्म करें और उसमें कद्दूकस की हुई गाजर को 10–15 मिनट तक भूनें।
2. भुनी हुई गाजर में दूध डालकर धीमी आंच पर पकाएं जब तक दूध पूरी तरह से सूख न जाए।
3. अब इसमें चीनी डालें और तब तक पकाएं जब तक हलवा गाढ़ा न हो जाए।
4. इलायची पाउडर और कटे हुए मेवे डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
5. गरमागरम गाजर का हलवा परोसें।

गाजर और मटर की सब्जी

सामग्री

– गाजर 250 ग्राम (कटी हुई)
– मटर 100 ग्राम
– तेल 2 टेबलस्पून
– जीरा 1/2 चम्मच
– हल्दी पाउडर 1/2 चम्मच
– धनिया पाउडर 1 चम्मच
– लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच
– नमक स्वादानुसार

विधि

1. कढ़ाई में तेल गरम करें, उसमें जीरा तड़काएं।
2. अब कटे हुए गाजर और मटर डालकर मिलाएं।
3. हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
4. धीमी आंच पर ढककर 10–12 मिनट तक पकाएं जब तक सब्जियां नरम न हो जाएं।
5. गरमागरम गाजर–मटर की सब्जी रोटी या पराठे के साथ परोसें।

गाजर का सूप

सामग्री

– गाजर 250 ग्राम (कटी हुई)
– प्याज 1 (कटा हुआ)
– अदरक 1 चम्मच (कद्दूकस किया हुआ)
– मक्खन 1 टेबलस्पून
– नमक स्वादानुसार
– काली मिर्च 1/2 चम्मच
– पानी या वेजिटेबल स्टॉक 2 कप

विधि

1. पैन में मक्खन गरम करें, उसमें प्याज और अदरक को हल्का भूनें।
2. अब कटी हुई गाजर डालें और 2–3 मिनट तक भूनें।
3. पानी या वेजिटेबल स्टॉक डालें, नमक और काली मिर्च मिलाकर गाजर को नरम होने तक पकाएं।
4. मिश्रण को ठंडा करें और मिक्सी में पीसकर सूप बना लें।
5. तैयार सूप को हल्की आंच पर दोबारा गरम करें और गरमागरम परोसें।

गाजर के लड्डू

सामग्री

– गाजर 500 ग्राम (कद्दूकस की हुई)
– मावा 250 ग्राम
– चीनी 150 ग्राम
– घी 2 टेबलस्पून
– इलायची पाउडर 1/2 चम्मच
– काजू, बादाम, पिस्ता (कटे हुए) 2–3 टेबलस्पून
– नारियल बूरा (कद्दूकस किया हुआ नारियल) 2 टेबलस्पून (वैकल्पिक)

विधि

1. एक कढ़ाई में घी गरम करें और उसमें कद्दूकस की हुई गाजर डालें।
2. गाजर को मध्यम आंच पर 10–12 मिनट तक भूनें जब तक वह नरम न हो जाए और उसका कच्चापन खत्म न हो जाए।
3. अब भुनी हुई गाजर में मावा डालकर अच्छे से मिलाएं और 5–7 मिनट तक पकाएं।
4. जब मिश्रण हल्का गाढ़ा हो जाए, तो उसमें चीनी डालें और लगातार चलाते हुए 5–7 मिनट तक पकाएं।
5. जब मिश्रण पूरी तरह से गाढ़ा हो जाए और लड्डू बनाने लायक हो जाए, तो गैस बंद कर दें और मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें।
6. ठंडा होने के बाद, हाथों में थोड़ा घी लगाकर मिश्रण से मनचाहे आकार के लड्डू बनाएं।

## संक्षिप्त

### टाटा मोटर्स मार्च तिमाही में हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन ट्रकों को शुरुआती स्तर पर सड़कों पर उतारेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन से चलने वाले ट्रकों को मार्च तिमाही में शुरुआती स्तर पर सड़कों पर उतारेगी। वैश्विक वाहन प्रदर्शनी 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' 2025 में पिछले सप्ताह टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन द्वारा संचालित ट्रक का अनावरण किया था। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ ने कहा कि कंपनी दोनों प्रौद्योगिकियों हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन और ईंधन सेल इलेक्ट्रिक वाहन के लिए तैयार हो रही है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन वाले ट्रक इसी तिमाही से सड़कों पर नजर आने लगेंगे। इसे तीन मार्गों मुंबई–पुणे, जमशेदपुर–कलिंगनगर और मुंबई–अहमदाबाद पर चलाया जाएगा। वाघ ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि शुरुआती स्तर पर जो अनुभव हासिल होगा उसका इस्तेमाल उत्पाद को बेहतर बनाने के साथ–साथ हाइड्रोजन ईंधन के लिए बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में किया जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' 2025 से इतर शुक्रवार को यह बात की। वाघ ने कहा, '' हमारे पास पहले से ही 15 इलेक्ट्रिक ईंधन सेल बसें हैं जो आईओसीएल (इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के साथ मिलकर 10 महीने से अधिक समय से चलाई जा रही हैं। ईंधन के रूप में हाइड्रोजन के इस्तेमाल के संबंध में मूल्य श्रृंखला पर बहुत काम हो रहा है।

### अमेरिका में अमेजन का नया फैसला, अब पांच दिन ऑफिस आना होगा जरुरी, रिपोर्ट में खुलासा

अमेरिका में अमेजन के कर्मचारियों को नई पॉलिसी का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका स्थित अमेजन के कर्मचारियों को अब पांच दिन के लिए ऑफिस आना होगा। कंपनी जल्द ही सप्ताह में पांच दिन कार्यालय आने के सख्त नए आदेश को लागू कर सकती है। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है। नए आदेश के साथ ही ई–कॉमर्स कंपनी अमेजन के ऑफिस में कर्मचारियों की उपस्थिति

पर नजर रखने के तरीके में भी बदलाव आया है। नए नियम के बाद से एडमिनिस्ट्रेशन को कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में पूरी जानकारी मिलेगी। अब तक जानकारी काफी कम मिलती थी, जिससे यह निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता मिलती है कि कौन कर्मचारी अनुपालन नहीं कर रहा है और इससे कैसे निपटा जाए। रिपोर्ट में कंपनी के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है, ष्यह जानकारी कर्मचारियों और प्रबंधकों की है जिसमें अपने सहकर्मियों के साथ कार्यालय आने के बारे में बातचीत को दिशा देने में मदद करती है।ष प्रबंधक हर समय बैजिंग रिपोर्ट देख सकेंगे। यह प्रतिदिन शाम 5 बजे पीटी पर रिफ्रेश भी होगी। यदि कोई कर्मचारी कार्यालय में पांच दिन उपस्थित रहने की अपेक्षित तिथि को पूरा करने में असफल रहता है, तो आंतरिक प्रणाली प्रबंधकों को इस बारे में उनसे बात करने का निर्देश देती है। अतिरिक्त डेटा भी संभवतः मानव संसाधन विभाग द्वारा एकत्रित किया जाएगा, जो प्रबंधकों से संपर्क करेगा और पूछेगा कि उन कर्मचारियों के साथ क्या हो रहा है जो सप्ताह में पांच दिन काम पर नहीं आते हैं। इससे पहले, कंपनी यह ट्रैक करती थी कि कर्मचारी किसी कार्यालय में प्रवेश पाने के लिए कब अपने आंतरिक आईडी या बैज का उपयोग करते हैं, जिसमें लगभग सभी कॉर्पोरेट भवन, डेटा सेंटर, पूर्ति केंद्र और डिलीवरी स्टेशन शामिल हैं। हालांकि, पिछले साल गर्मियों में ष्कॉफी बैजिंगष पर लगाम लगाने के लिए प्रति घंटे उपस्थिति की निगरानी भी शुरू कर दी गई थी, जिसमें कर्मचारी केवल आते हैं, कॉफी पीते हैं और चले जाते हैं, तथा उनके अकेले आने को कार्यालय में एक दिन के रूप में दर्ज किया जाता है। अमेज़न की ट्रैकिंग प्रणाली ने पहले भी कर्मचारियों को ष्असंगत बेजरष और ष्शून्य बेजरष जैसे लेबल दिए थे, जो इस बात पर निर्भर करता था कि उन्होंने पिछले तीन–दिवसीय रिटर्न–टू–ऑफिस जनादेश का कैसे अनुपालन किया था।

### दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने हिमानी मोर से विवाह किया

भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दो दिन पहले सोनीपत की हिमानी मोर से विवाह किया। स्टार खिलाड़ी 27 वर्षीय नीरज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर विवाह की घोषणा की। नीरज ने विवाह समारोह की तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में लिखा, ''मैंने अपने परिवार के साथ अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू किया। हर उस आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जिसने हमें इस पल तक पहुंचाया। प्यार से बंधे, हमेशा खुश रहें।'' चोपड़ा के चाचा भीम ने 'पीटीआई' को बताया कि विवाह देश में हुआ और यह जोड़ा हनीमून के लिए रवाना हो गया है। हिमानी वर्तमान में अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं। भीम ने हरियाणा में पानीपत के पास खंडरा में अपने गांव से बताया, ''हां, विवाह दो दिन पहले भारत में हुआ। मैं यह नहीं बता सकता कि यह कहां हुआ।''

# ऋषभ पंत होंगे लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान, संजीव गोयनका ने किया एलान, बोले- वो हमारे लिए सफल होंगे

*भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जाएंट्स का कप्तान बनाया गया है। सोमवार को टीम के मालिक संजीव गोयनका ने इसका एलान किया है।*

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जाएंट्स का कप्तान बनाया गया है। सोमवार को टीम के मालिक संजीव गोयंका ने इसका एलान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में पंत आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तान बनेंगे। बता दें कि, लखनऊ ने केएल राहुल को रिटेन नहीं किया था जो पिछले संस्करण तक टीम की कप्तानी कर रहे थे। आगामी संस्करण के लिए लखनऊ को कप्तान की तलाश थी जो अब पंत के रूप में पूरी हो गई है। गोयनका ने कहा– बहुत सरल है और यह भविष्य के लिए लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान की घोषणा के बारे में है और वह ऋषभ पंत हैं। हमने उस समय ही इस पर फैसला कर लिया था जब हमने उन्हें नीलामी में जीता था, लेकिन हम एक साथ इसकी घोषणा करने के लिए समय का इंतजार कर रहे थे। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने पंत को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंत इस तरह आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकने वाले खिलाड़ी बन गए थे। उन्होंने इस मामले में श्रेयस अय्यर को पीछे छोड़ दिया था जो 26.75 करोड़ रुपये में बिके थे। 2016 के बाद पहली बार पंत दिल्ली के अलावा किसी और टीम से खेलते दिखेंगे। ऋषभ पंत के लिए लखनऊ और आरसीबी के बीच शुरुआत में जंग देखने मिली थी। पंत दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे थे और कम ही समय में उनकी कीमत 10 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई थी। इस दौरान हैदराबाद भी दौड़ में शामिल हुई, लेकिन लखनऊ ने भी हार नहीं मानी। नीलामी टेबल पर हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन और लखनऊ के मालिक संजय गोयनका लगातार पंत के लिए बोली लगाते रहे और देखते ही देखते कीमत 17 करोड़ के पार पहुंच गई थी। हैदराबाद और लखनऊ यहां भी नहीं रुके और पंत पर बोली बढ़ती रही। लखनऊ ने पंत के लिए 20.75 करोड़ रुपये की बोली लगाई और हैदराबाद ने हाथ वापस खींच लिए। हालांकि, दिल्ली ने आरटीएम का इस्तेमाल किया। इसके बाद लखनऊ ने पंत के लिए 27 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया और दिल्ली ने अपने हाथ पीछे कर लिए। इस तरह पंत 27 करोड़ रुपये में बिके और लखनऊ ने उन्हें आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर लिया।

2016 से दिल्ली के लिए खेल रहे थे पंत

पंत ने 2016 से दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था और उन्होंने 110 मैचों में 35.31 के औसत से 3284 रन बनाए जिसमें एक शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। पंत को 2021 में टीम का कप्तान बनाया गया था और उन्होंने उसी सीजन में टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया। आईपीएल 2025 सीजन के लिए हुई मेगा नीलामी से पहले लखनऊ ने निकोलस पूरन, मयंक यादव, रवि बिश्नोई, मोहसिन खान और आयुष बडोनी को रिटेन किया था। लखनऊ के लिए पिछला सीजन अच्छा नहीं रहा था और टीम 14 मैचों में सात जीत और सात हार के साथ 14 अंक लेकर सातवें स्थान पर रही थी।

## वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ, सचिन ने गावस्कर को खिलाया केक, रोहित-शास्त्री भी नजर आए

मुंबई, एजेंसी। वानखेड़े स्टेडियम के 50 साल पूरे होने पर मुंबई क्रिकेट संघ के भव्य समारोह में भारतीय क्रिकेट जगत के कई सितारों ने शिरकत की। इनमें सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, सचिन तेंदुलकर, दिलीप वेंगसरकर और रोहित शर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इस दौरान रोहित ने कहा कि उनकी इच्छा टी20 विश्व कप जीत की तरह एक और जीत की खुशी यहां के फैंस के साथ साझा करने की है। रोहित ने कहा कि पिछले साल जुलाई में वानखेड़े स्टेडियम में उनके और उनके साथियों के स्वागत के लिए नीले समुद्र की तरह उमड़े प्रशंसकों के हुजूम को देखने के बाद ही उन्हें टी20 विश्व कप की व्यापकता का एहसास हुआ था। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुके भारतीय कप्तान 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में आयोजित होने वाली चौम्पियंस ट्रॉफी को जीत कर एक बार फिर से प्रशंसकों को ऐसा एहसास देना चाहते हैं। भारत इससे पहले 2013 में चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुका है। रोहित से पूछा गया कि किस समय उन्हें वास्तव में एहसास हुआ कि भारत ने विश्व कप जीत लिया है, तो उन्होंने कहा, श्जब मैं यहां जश्न मनाने के बाद अगले दिन उठा, तब हमें एहसास हुआ। उस जश्न के बाद अगले दिन जब मैच सो कर उठा था तब मुझे एहसास हुआ था कि हमने जो किया वह बहुत, बहुत खास था। विश्व कप जीतना एक बात है और अपने लोगों के साथ उसका जश्न मनाना अलग बात है। आप जीत का जश्न टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ मनाते ही है, लेकिन लोगों के साथ इस जश्न के साझा करने के एहसास बारे में मुझे मुंबई आने के बाद पता चला। रोहित ने कहा कि भारतीय टीम जल्द ही चौंपियंस ट्रॉफी अभियान शुरू करेगी और यहां के प्रतिष्ठित स्टेडियम में एक और ट्रॉफी लाने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, श्हम एक और टूर्नामेंट शुरू करेंगे। मुझे यकीन है कि जब हम दुबई पहुंचेंगे तो 140 करोड़ लोगों की शुभकामनाएं हमारे पीछे होंगी। हम यह जानते हैं। हम इस ट्रॉफी (आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी) को वानखेड़े में वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। महान सुनील गावस्कर ने कहा कि जब भी वह स्टेडियम जाते हैं तो उन्हें घरेलू मैदान पर आने का एहसास होता है। उन्होंने कहा, श्जब 1974 में वानखेड़े स्टेडियम बनाया गया था, तो हमारा ड्रेसिंग रूम नीचे था।




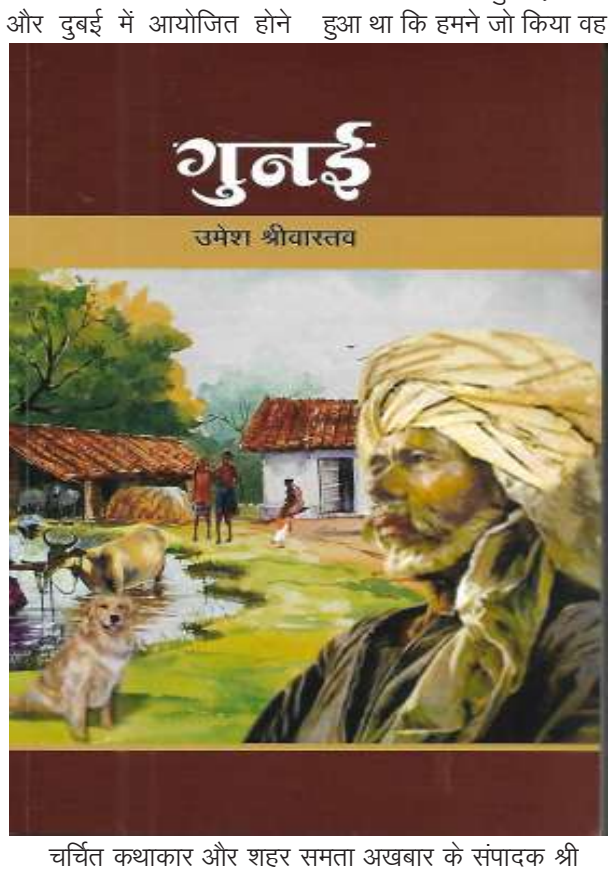


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

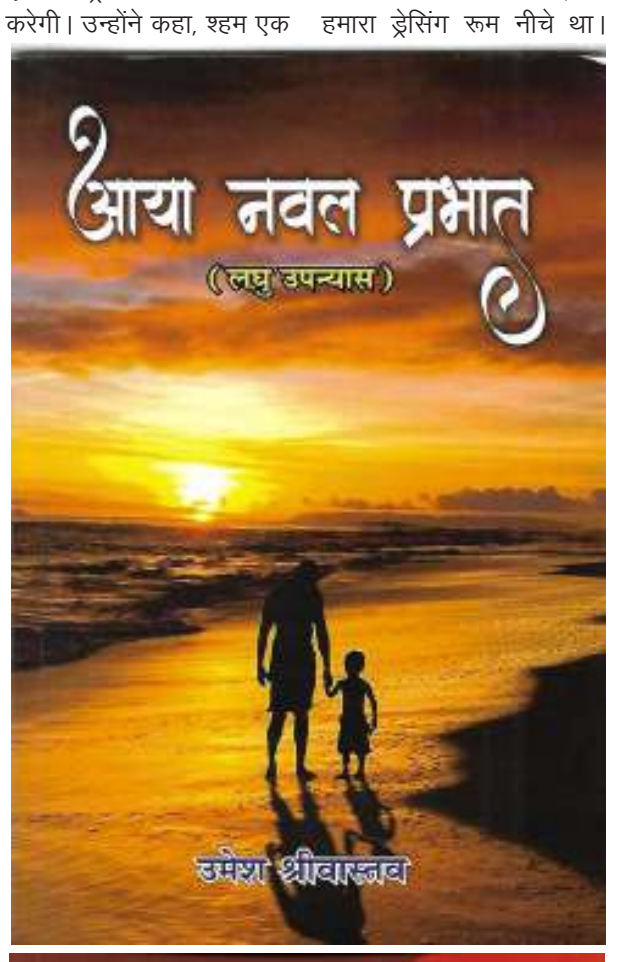


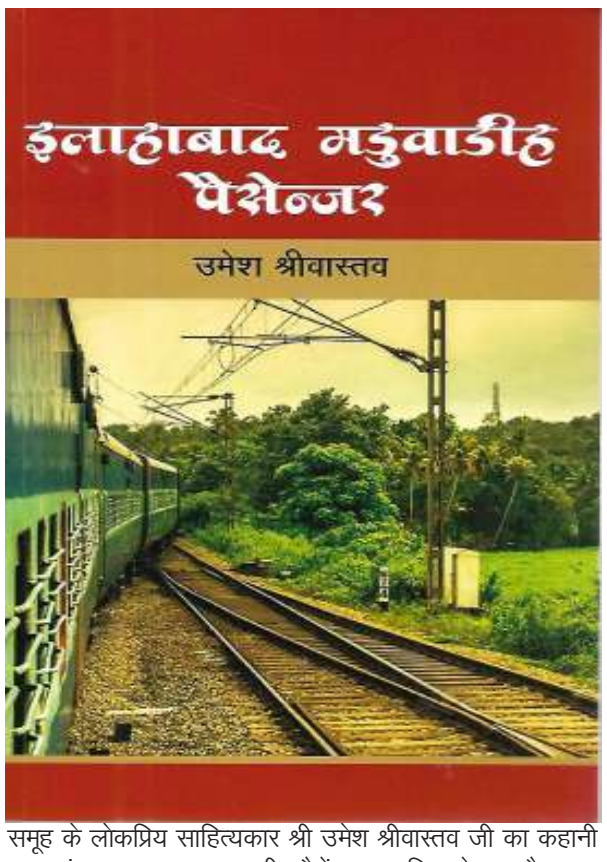


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

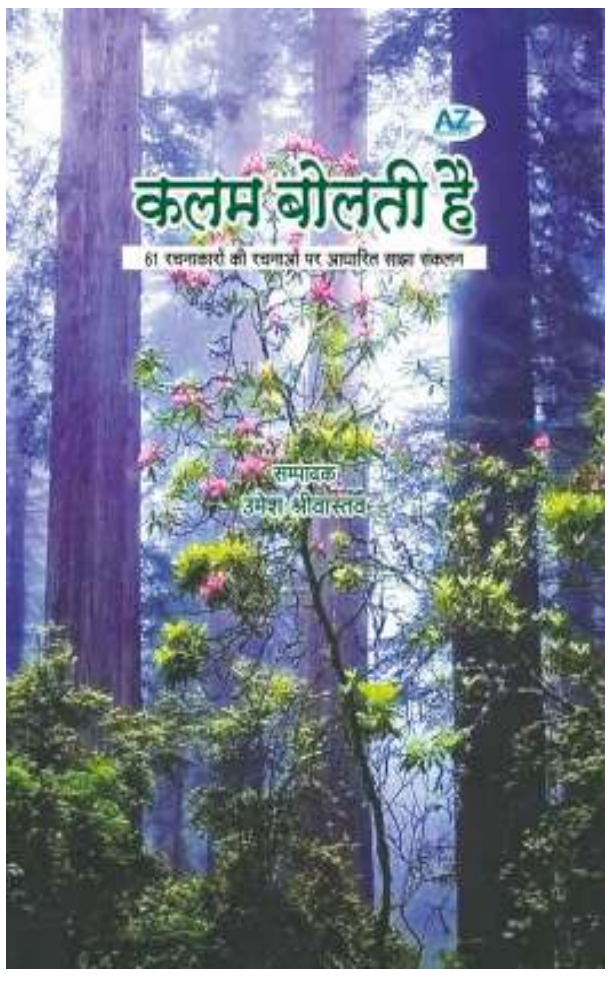


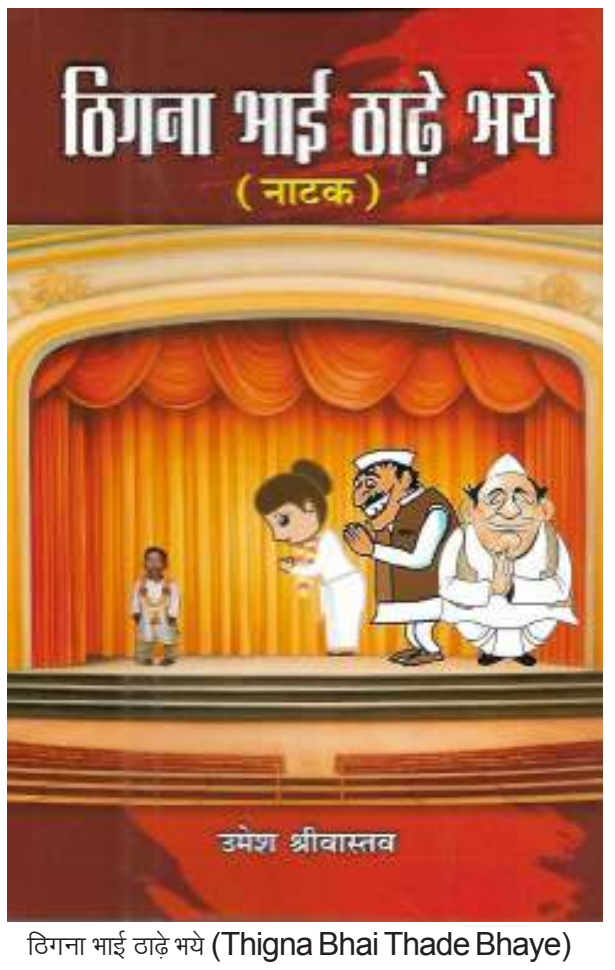


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# इस मुस्लिम देश में अचानक फटा गैसोलीन टैंकर, अब तक 86 लोगों की मौत

नाइजीरिया, एजेंसी। नाइजीरिया में एक पेट्रोल टैंकर ट्रक में ईंधन लेते समय हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 86 हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि 60,000 लीटर (लगभग 16,000 गैलन) गैसोलीन ले जा रहे ट्रक में शनिवार को देश के केंद्र में एक सड़क पर पलटने के बाद विस्फोट हो गया। बचावकर्मियों ने पहले मृतकों की संख्या 70 बताई थी। नाइजर राज्य की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता इब्राहिम औदु हुसैनी ने कहा, हमने कल दोपहर 12रू00 बजे से आज सुबह 2रू00 बजे के बीच 86 जली हुई लाशों को दफनाया। हमें शवों को दफनाने में 14 घंटे लग गए क्योंकि हमें खुदाई करने वाले नहीं मिल सके और सामूहिक कब्र को

मैन्युअल रूप से खोदने के लिए स्थानीय लोगों को बुलाना पड़ा। अन्य 52 लोग विस्फोट से गंभीर रूप से झुलस गए। यह विस्फोट संघीय राजधानी अबुजा को उत्तरी शहर कडुना से जोड़ने वाली सड़क पर डिक्को जंक्शन पर हुआ। लोगों की भीड़ ईंधन की तलाश में उस स्थान पर पहुंची जहां टैंकर पलट गया था, जिसकी कीमत आर्थिक संकट में बढ़ गई है। मैंने एक महिला को ईंधन का गैलन ले जाते हुए देखा और गैलन में विस्फोट हो गया और ईंधन मेरे ऊपर बिखर गया। डालंदी अब्दुल्लाही ने आग से क्षतिग्रस्त हाथ और धड़ का इलाज करा रहे अस्पताल से एएफपी को बताया। 2023 में सत्ता संभालने के बाद, राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने महंगी ईंधन सब्सिडी को समाप्त कर दिया, जिससे भोजन और परिवहन लागत बढ़ गई। उन्होंने मुद्रा नियंत्रण भी समाप्त कर दिया, जिससे नायरा का मूल्य गिर गया। टीनुबू ने बार–बार धैर्य रखने का आह्वान किया है, यह तर्क देते हुए कि उनके सुधारों से विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने और अर्थव्यवस्था को फिर से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अफ्रीका के सबसे अधिक आबादी वाले देश में मुद्रास्फीति तीन दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक है।

## संक्षिप्त

### अमेरिका में हुई टिकटॉक की वापसी, डोनाल्ड ट्रम्प के ऐलान के बाद शुरू हुई प्रक्रिया

टिकटॉक ने रविवार दोपहर तक संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं बहाल कर दीं है। ये कदम तब उठाया गया जब नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आश्वासन दिया कि 20 जनवरी को सत्ता संभालने के बाद वह ऐप पर संघीय प्रतिबंध को रोक देंगे। शॉर्ट वीडियो सर्विस ऐप को ष्राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओंष् के कारण रविवार को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। आदेश में ज्पाज्वा की

चीन स्थित मूल कंपनी, बाइटडांस को ऐप के अमेरिकी परिचालन से संबंध खत्म करने की भी मांग की गई। हालांकि, इसने एक मौजूदा राष्ट्रपति को व्यवहार्य बिक्री की स्थिति में 90–दिन का विस्तार देने की भी अनुमति दी। 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह कंपनी को संघीय आदेश का पालन करने के लिए ष्सौदा करनेष् के लिए और समय देना चाहते हैं। रिपब्लिकन ने कहा कि वह ष्चाहते हैं कि संयुक्त उद्यम में संयुक्त राज्य अमेरिका की 50 प्रतिशत स्वामित्व स्थिति हो,ष् उन्होंने दावा किया कि ऐप का मूल्य ष्सैकड़ों अरबों डॉलर – शायद खरबोंष् तक बढ़ सकता है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, ष्ऐसा करके हम टिकटॉक को बचाते हैं और इसे अच्छे हाथों में रखते हैं। ट्रम्प ने पहले अपने कार्यकाल के दौरान टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन किया था। बाइटडांस और वीचौट के साथ लेन–देन पर प्रतिबंध लगाने के उनके आदेशों को बाद में अदालतों ने रोक दिया था। हालांकि, माना जाता है कि ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के लिए अपने राष्ट्रपति अभियान के दौरान युवा मतदाताओं के बीच अपनी संभावनाओं को बढ़ाने वाले शॉर्ट वीडियो–शेयरिंग ऐप के बाद अपना रुख बदल दिया है। ट्रम्प की टिप्पणियों के बाद, टिकटॉक ने एक बयान जारी कर कहा कि वह सेवा बहाल करने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने कहा, हम राष्ट्रपति ट्रम्प को हमारे सेवा प्रदाताओं को आवश्यक स्पष्टता और आश्वासन प्रदान करने के लिए धन्यवाद देते हैं कि 170 मिलियन से अधिक अमेरिकियों को टिकटॉक प्रदान करने पर उन्हें कोई दंड नहीं भुगतना पड़ेगा। ऐप के उपयोगकर्ताओं को भेजे गए संदेश में कहा गया, ष्राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रयासों के परिणामस्वरूप, टिकटॉक अमेरिका में वापस आ गया है!ष् घोषणा के बावजूद, ऐप ळववहसम च्संल और ।चचसम ऐप स्टोर पर उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं था। ट्रम्प के वादे में कार्यान्वयन पर भी स्पष्टता का अभाव था क्योंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से प्रतिबंध को बरकरार रखा था, और यह ट्रम्प के सत्ता में लौटने से एक दिन पहले लागू हुआ था।

### अमेरिका के इतिहास में हो रहा पहली बार, अपने शपथ में भारतीय बैंड बजवा रहे हैं ट्रंप

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब शपथ लेंगे तो वो भारतीय ढोल ताशा भी सुनेंगे। ये पहली बार अमेरिका के इतिहास में हो रहा है जब किसी राष्ट्रपति के शपथग्रहण कार्यक्रम में ढोल ताशा बजाया जाएगा। शिवम ढोल ताशा बैंड के हरीश ने कहा कि अगर मौसम ने साथ दिया और अगर हम परफार्म कर पाए तो जो अच्छा है वो पड़ोसा जाएगा। सिंपल तरीके से परोसी गई चीज हर किसी को पसंद आती है। उन्होंने कहा कि हम कुछ तो स्पेशल करेंगे। ये महाराष्ट्रियन बीट पर होगा। ट्रंप प्रशासन की तरफ से इस शपथग्रहण में एक भारतीय अमेरिकी बैंड को बुलावा भेजा गया है। ये अमेरिका में मौजूद भारतीय अमेरिकी ढोल बैंड को बुलावा भेजा गया है। ये अमेरिका में मौजूद भारतीय अमेरिकी समुदाय के लिए बेहद ही गौरव का पल है। अमेरिका के इतिहास में आज तक जो हुआ नहीं है, वो होने जा रहा है। पूरी टीम पूरे जोर शोर से तैयारी में लगी है। पिछले एक महीने से तैयारी चल रही है, जब से हमें पता चला कि हमें यहां आना है। बिल्कुल दिन रात काम चल रहा है। यहां मौसम ठंडा होता है। टेक्सास में इतनी ज्यादा ठंडी नहीं है।

हम खुले में प्रैक्टिस कर रहे हैं ताकी मौसम के अनुकूल तैयार हो जाए। इसके पहले ये ढोल ताशा बैंड अमेरिका में होने वाले कई ऐतिहासिक कार्यक्रमों में शामिल हो चुका है। लेकिन ऐसा पहली बार है जब अमेरकी राष्ट्रपति के शपथग्रहण कार्यक्रम में एक ढोल ताशा बैंड को बुलाया गया है। ये वाकई में हर भारतीय के लिए गौरव का पल है। वैश्विक भारतीय समुदाय की गैर–लाभकारी संस्था इंडियास्पोरा ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से पहले डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और उम्मीद जताई कि नए प्रशासन के तहत अमेरिका–भारत संबंध और प्रगाढ़ होंगे। इंडियास्पोरा के संस्थापक–अध्यक्ष एमआर रंगास्वामी ने कहा कि इंडियास्पोरा और भारतीय–अमेरिकी समुदाय की ओर से मैं अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देना चाहता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि अमेरिका में नए राजनीतिक माहौल में अमेरिका–भारत संबंध और प्रगाढ़ होंगे। रंगास्वामी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों पक्षों के शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने मजबूत संबंध स्थापित किए और इस अहम द्विपक्षीय संबंध को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका में मजबूत द्विदलीय समर्थन है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227


# ट्रंप की दोस्ती की कोशिशों को रूस ने दिया झटका, दो टूक कहा– आपके साथ रिश्तों में सुधार मुश्किल

डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण से पहले रूस से बड़ा बयान सामने आया है। रूस अमेरिका के बीच रिश्तों में सुधार मुश्किल होने की बात कही गई है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमेत्री मेदवदेव की तरफ से ये बयान सामने आया है। दिमेत्री मेदवदेव ने कहा है कि अमेरिका से संबंध सामान्य होने में दशकों का वक्त लग जाएगा। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टीम को क्रेमलिन से संपर्क साधने को कहा है। दूसरी तरफ रूस से इस तरह के बयान सामने आ रहे हैं। अमेरिका और रूस के बीच रिश्तें बेहद ही खराब हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि बाइडेन कार्यकाल में रूस से संबंध खराब स्तर पर हैं। बाइडेन ने अपने कार्यकाल में कई गलतियां की हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि दोनों देशों के रिश्तों में सुधार बहुत मुश्किल है। दरअसल, दुनिया को ट्रंप

शासनकाल में संबध बेहतर होने की उम्मीद हैं। ट्रंप रूस यूक्रेन जंग खत्म कराने की बात कह रहे हैं। लगातार वो इसे लेकर बयान देते आए हैं। ट्रंप राष्ट्रपति पुतिन से मिलने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में मेदवदेव को लग रहा है कि ये कोई आसान काम नहीं है। इसमें दशकों लग जाएंगे। लेकिन इस बयान के बाद इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि रूस की तरफ से हो सकता है कि प्रेशर टेक्टिस का इस्तेमाल किया जा रहा हो, जिससे ट्रंप पर थोड़ा और दबाव बढ़ाया जा सके। इस तरह की भी खबरें सामने आ रही हैं कि शपथ के बाद पुतिन से बात करेंगे। ट्रंप की टीम ने क्रेमलिन से इस बाबत संपर्क भी साधा है। ट्रंप की टीम लगातार रूस से अच्छे माहौल में बात करने का प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी तरफ देखेंगे तो पाएंगे कि डोनाल्ड ट्रंप की शपथग्रहण से पहले यूक्रेन और भी ज्यादा आक्रमक नजर आ रहा है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ट्रंप और पुतिन को लेकर बड़ा बयान भी दिया है। जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन की आक्रमकता को डोनाल्ड ट्रंप खत्म कर सकते हैं। यानी अब ट्रंप से भी जेलेंस्की को बड़ी उम्मीदें हैं। ट्रंप मानसिक तौर पर ज्यादा मजबूत हैं। ये बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से जंग में यूक्रेन लगातार पिछड़ रहा है। पूर्वी यूक्रेन में रूसी सेना आगे बढ़ी है। ऐसे में जेलेंस्की को भी ये नजर आ रहा है कि ट्रंप का हमारे साथ रहना और भी जरूरी है। यूक्रेनी सेना रूसी सेना को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है। रूसी कब्जे वाले क्षेत्र को वापस लेने की संभावना कम ही है। रूस पर हमले तेज करने के लिए अमेरिकी मदद बहुत जरूरी है। अमेरिका के हथियारों का हिस्सा 25 फीसदी से ज्यादा है। यानी जेलेंस्की को जितनी उम्मीदें बाइडेन से थी, उतनी ही उम्मीदें डोनाल्ड ट्रंप से भी हैं।

# 471 दिन बाद परिवार से मिले बंधक, जानें कौन हैं इजरायल की वो तीन महिलाएं

471 के बाद हमास की कैद से तीन इजरायली बंधक आखिरकार आजाद हो गए। इन तीनों के लिए 471 दिन में से एक एक दिन मौत जैसा रहा होगा। अब ये सुरक्षित रूप से अपने परिवारों के पास लौट आए हैं। रिहाई एक मुश्किल और लंबी बातचीत के बाद मुमकिन हो पाई। इजरायली सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने इन बंधकों की वापसी के लिए पूरा जोर लगाया हुआ था। इन नागरिकों की रिहाई इजरायल में खुशी और राहत का माहौल लेकर आई है। परिवारवालों ने इनकी वापसी पर बेहद भावुक रिएक्शन दिए हैं। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए एक नई सुबह की तरह है। लंबे वक्त तक इंतजार और चिंता के बाद अब वे अपने प्रियजनों को वापस पाकर बेहद खुश हैं। हमास ने इन

बंधकों को अपने कब्जे में लिया हुआ था। जिसके बाद से इनसे संपर्क की बात तो छोड़िए इनकी कोई सूचना भी नहीं मिल पा रही थी। इनकी रिहाई अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मध्यस्थता और समर्थन के बाद ही मुमकिन हो पाई है। इस घटना ने हमास और इजरायल के बीच संघर्ष की गंभीरता को एक बार फिर उजागर किया है। बंधकों की वापसी के साथ ही इजरायल ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता दोहराई है। ये घटना उन परिवारों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई जिनके प्रियजन अब भी हमास की कैद में हैं। अब 90 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई होने वाली है। युद्ध विराम के 42 दिवसीय पहले चरण में गाजा से 33 बंधकों को वापस लाया जाएगा और सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा किया जाएगा। कई विस्थापित फलस्तीनी भी अपने घर वापस लौट सकेंगे। पिछले हफ्ते अमेरिका, कतर और मिस्र की मध्यस्थता के बाद युद्ध विराम समझौते की घोषणा की गई थी। अमेरिका के बाइडेन प्रशासन और नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, दोनों ने अमेरिका में राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण से पहले समझौते पर पहुंचने के लिए दबाव बनाया था।

रोमी गोनेन

24 साल की रोमी गोनेन, एक डांसर हैं। । होस्टेजेस एंड मिसिंग फ़ैमिलीज़ फ़ोरम के अनुसार, उत्तरी इज़राइल के केफ़र ब्रादिम की निवासी, गोनेन उत्सव में गई थी। हमास के बंदूकधारियों ने उन्हें 7 अक्टूबर, 2023 को नोवा संगीत समारोह से अगवा कर लिया था। हाथ में गोली लगने से पहले गोनेन ने कई दोस्तों के साथ बंदूकधारियों से छिपने में कई घंटे बिताएष वह अपने परिवार के साथ फोन पर थी जब उन्होंने उसे यह कहते हुए सुना मैं आज मरने जा रही हूं।

एमिली दामरी

28 साल की रोमी के स ा थ ी – स ा थ ी ब्रिटिश–इजरायल एमिली दामरी को भी हमास ने युद्धविराम समझौते के तहत रिहा कर दिया था। दमरि इज़राइल में पैदा हुईं बाद में इंग्लैंड चले गए थे। हालाँकि, बाद में वह किबुत्ज़ कफ़र अज़ा में चली गई जहाँ से उसे 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के गुर्गों ने पकड़ लिया। हमले के शुरू होने के कुछ घंटों बाद उन्होंने अपने माता–पिता को फ़ोन करके बताया कि वह डरी हुई है और बंदूकधारी उसकी बिल्डिंग में आ गए हैं।

डोरोन स्टीनब्रेचर

31 वर्षीय रोमानियाई–इज़राइली पशु चिकित्सा नर्स, डोरोन उन तीन में से अंतिम थीं जिन्हें रविवार को हमास द्वारा रिहा कर दिया गया था। एमिली दामरी की तरह, डोरोन को भी 7 अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज़ कफ़र अज़ा में उसके घर से बंधक बना लिया गया था। डोरोन की मां ने कहा कि जब आतंकवादियों ने उनके अपार्टमेंट पर हमला किया तो वह अपने बिस्तर के नीचे छिपी हुई थीं। अपने बिस्तर के नीचे छिपते हुए, डोरोन को अपने प्रियजनों को एक अंतिम वॉयस नोट भेजने का समय मिल गया।

### चीन ने कर दी भारत की खुलकर तारीफ, इधर ट्रंप ने जिनपिंग को फट से फोन लगा दिया

भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक बार फिर से अपनी चाह को राह में बदल दिया है। इस बार ऐसा कर दिखाया कि दुनिया स्तब्ध है और चीन जैसे देश भी भारत की तारीफ करने पर मजबूर हो गए हैं। चीन जो खुद अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक महाशक्ति है, उसने भी इसरो को उसकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता यू जिंग ने कहा कि स्पेडेक्स मिशन के तरत उपग्रहों की सफल डॉकिंग के लिए भारत और इसरो को बधाई। इसरो की ये सफलता तब सामने आई जब दुनिया के कई देश अंतरिक्ष की दौड़ में भारत के पीछे हैं। इस मिशन ने ये साबित कर दिया कि भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बल्कि अंतरिक्ष में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में है। यानी भारत अब कहीं न कहीं लीडर की भूमिका में सामने आ रहा। ये सफलता ट्रंप के शपथग्रहण से पहले एक बड़ा झटका सरीखा होगा। ये दिखाता है कि भारत अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी तेजी से लागू कर रहा है। वैसे ये पहली बार नहीं है जब इसरो ने दुनिया को चौंकाया हो। सितंबर 2024 में भारत के मंगलयान मिशन यानी मार्स ऑर्बिटर मिशन ने मंगल की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश किया था। इस उपलब्धि ने भारत को मंगल तक पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बनाया था। इतना ही नहीं भारत ने ये उपलब्धि अपने पहले ही प्रयास में हासिल की थी। जो कि अपने आप में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। चीन ने उस वक्त भी मंगलयान मिशन की सफलता पर भारत की तारीफ करते हुए कहा था कि ये केवल भारत या एशिया नहीं बल्कि पूरे मानवजाति के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। चीन ने 2020 में अपना पहला मंगल मिशन लॉन्च किया जो 2021 में मंगल की कक्षा में सफलता पूर्वक प्रवेश कर गया। लेकिन इसके एक दशक पहले चीन को असलता का सामना करना पड़ा था जब रूसी अंतरिक्षयान के साथ उसका ऑर्बिटर नाकाम हो गया था। इसरो की सफलता न केवल चीन को प्रेरणा दे रही बल्कि उसे ये भी सोचने पर मजबूर कर रही कि विज्ञान और टेक्नोलॉजी में भी भारत उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंवंदी बनकर सामने आ गया है। वो चीन जो अक्सर भारत के खिलाफ आक्रमक रवैया अपनाता रहता है। इस बार इसरो की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाया। ये भारत के बढ़ते कद और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसके महत्व को दिखा रहा। भारत अब केवल एक विकासशील देश नहीं बल्कि महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। वहीं दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को फोन किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

### भारतीय समुदाय से जुड़े संगठन ने दी ट्रंप को बधाई, दोनों देशों के संबंध प्रगाढ़ होने की उम्मीद जताई

वैश्विक भारतीय समुदाय की गैर–लाभकारी संस्था 'इंडियास्पोरा' ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से पहले डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और उम्मीद जताई कि नए प्रशासन के तहत अमेरिका–भारत संबंध और प्रगाढ़ होंगे। 'इंडियास्पोरा' के संस्थापक–अध्यक्ष एमआर रंगास्वामी ने कहा, ''इंडियास्पोरा और भारतीय–अमेरिकी समुदाय की ओर से मैं अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देना चाहता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि अमेरिका में नए राजनीतिक माहौल में अमेरिका–भारत संबंध और प्रगाढ़ होंगे।'' रंगास्वामी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों पक्षों के शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने मजबूत संबंध स्थापित किए और इस अहम द्विपक्षीय संबंध को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका में मजबूत द्विदलीय समर्थन है।'' अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने नागरिक अधिकार, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कई भारतीय–अमेरिकियों को नियुक्त किया है। इनमें हरमीत कौर ढिल्लों, विवेक रामास्वामी, कश पटेल, जय भट्टाचार्य और श्रीराम कृष्णन प्रमुख हैं। 'इंडियास्पोरा' के कार्यकारी निदेशक संजीव जोशीपुरा ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में इंडियास्पोरा का ध्यान दो प्रमुख क्षेत्रों में रहा है–


संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।